

দ্বিতীয় খণ্ড

গীতিচর্চা

রবীক্রনাথ ঠাকুর

VISVA-BHARATI LIBRARY



PRESENTED BY

may rait	STROWESTER	
	อุเกษอง,	

বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ কলিকাতা প্রকাশ আখিন ১৩৭৩
পুনর্মূত্রণ অগ্রহায়ণ ১৩৭৮
বৈশাথ ১৩৮৩, প্রাবণ ১৩৮৮
কাতিক ১৩৯১: ১৯০৬ শক

গীভিচর্চা প্রথম থণ্ডে প্রথম-শিক্ষার্থীর উপযোগী সহন্ধ হ্ব-তালের ত্রিশটি গানের ম্বর-লিপি সংকলন করা হইরাছে। তাহার পরবর্তী ক্রমোপযোগী ত্রিশটি গানের ম্বর-লিপি বর্তমান থণ্ডে সংকলিত হইল। এই-সব ম্বরলিপি ম্বরবিতান গ্রন্থমালার কোনো-না-কোনো থণ্ড হইতে গৃহীত। প্রত্যেক গানের লম্ব-নির্দেশ জ্যোভিরিক্র-নাথ ঠাকুর -কর্তৃক উদ্ভাবিত ও 'ম্বরলিপি-গীতিমালা'য় ব্যবহৃত প্রণালী অন্ন্যায়ী—উহার ব্যাখ্যা আকারমাত্রিক ম্বরলিপি-পদ্ধতির ব্যাখ্যার অন্তর্গত করা হইল।

© বিশ্বভারতী

প্রকাশক শ্রীজগদিন্দ্র ভৌমিক বিশক্তারতী। ৬ আচার্ব জগদীশ বস্থ রোড। কলিকাতা ১৭

> মূক্তক অপ্না প্রিন্টিং ওয়ার্কস ৫২ রাজা রামমোহন সরণী। কলিকাতা ১

সূচীপত্ৰ

ग् षा	,
নিতা ভোমার যে কুল ফোটে	>
विभाग भारत रका करता	28
আওনের পরশমণি ছোঁরাও প্রাণে	74
যিনি সকল কাজের কাজী	٤)
এই কথাটা ধরে বাখিস	28
দৰ্ব থৰ্বতাৱে দহে তব ক্ৰোধদাহ	29
প্রাণ ভরিয়ে ভ্যা হরিয়ে	৬১
শামি মারের সাগর পাড়ি দেব	98
चरम्	
সঙ্গোচের বিহ্বলতা নিজেরে অপমান	وه
ৰাংলার মাটি, বাংলার জল	85
শামাদের যাত্রা হল ভক	88
নিশিদিন ভর্সা রাখিস	62
প্রকৃতি	
পুৰ-সাগবের পার হতে	et
আ ষাঢ়, কোথা হতে আ জ পেলি ছাড়া	er
ধরণীর গগনের মিলনের ছন্দে	65
কোন্ খেপা আবৰ ছুটে এল	48
বেঁধেছি কাশের গুচ্ছ আমরা	49
শহতে আজ কোন্ অভিধি	93
ছিমের রাতে ওই গগনের দীপগুলিরে	98
এল যে শীতের বেলা	95
তোমার বাদ কোণা যে পথিক	F 3
ও আষার চাঁদের আলো	F8
ওবে আয় রে ভবে মাত বে	beler

বিচিত্ৰ

কালের মন্দিরা যে (ছুই হাডে কালের)	53
षाभवा नृजन योवतनवरे मृज	96
७ ट संक्षात संकारत संकारत	>9
ভাঙো, বাঁধ ভেঙে দাও	> • •
মোরা পত্যের 'পরে মন	> 8
चाञ्चोनिक	
স্বাবে করি আহ্বান	>>>
ষব্লিশিখা, এসো এসো	>>8
আকারমাত্রিক স্বরনিপি -পদ্ধতির ব্যাখ্যা	>>9
মান্তাভাগ ডালাছ ও ঠেকা -সহ ডাল-নির্দেশ	25.

ৰণাপুক্ৰমিক সূচী

অগ্নিশিথা, এসো এসো	778
আপ্তনের পরশমণি ছোঁয়াও প্রাণে	74
ष्मायदा न्छन योवतनवर्षे मृष्ड	>8
আমাদের যাত্রা হল ভক	88
আমি মারের সাগর পাড়ি দেব	68
আবাঢ়, কোথা হতে আ ল পেলি ছাড়া	(b
এই কথাটা ধরে রাথিস	28
এঙ্গ যে শীতের বেশা	96
ও আমার চাঁদের আলো	F8
' अक्षांत संकारत संकारत	29
ওরে স্বায় রে তবে মাত্রে	brb
काटनत्र मिनता त्य मनाष्ट्र वाटक	>2
কোন্ খেপা ভাবৰ ছুটে এল	N8
তোমার বাস কোধা যে পধিক	۶۶
ছুই ছাতে কালের মন্দিরা যে	32
ধরণীর গগনের মিলনের ছন্দে	*>
নিভ্য ভোমার যে ফুল ফোটে	•
নিশিদিন ভরদা রাথিদ	€ 5
পুব দাগবের পার হতে	ee
প্রাণ ভরিয়ে ত্যা হরিয়ে	93
বাংলার মাটি, বাংলার জ্বল	82
বিপদে মোরে বক্ষা করে।	28
বেঁধেছি কাশের গুচ্ছ আমরা	61
ভাঙো বাঁধ ভেঙে দাও	>••
মোরা সত্যের 'পরে মন	> 8
যিনি সকল কাজের কাজী	۲۶

শরতে আৰু কোন্ অভিধি এল	95
সঙ্গোচের বিহ্মপতা নিজেরে জ্পমান	৩ ٩
সবারে করি আহ্বান	>>>
সৰ্ব থৰ্বভাৱে দহে তৰ ক্ৰোধদাহ	२१
হিমের রাতে ওই গগনের দীপগুলিরে	18

গীতিচর্চ। দ্বিতীয় খণ্ড

একডাল (1°)

নিভ্য ভোমার যে ফুল ফোটে ফুলবনে ভারি মধ্ কেন মনমধুপে খাওয়াও না? নিতাসভা বসে তোমার প্রাঙ্গনে. ভূত্যেরে সেই সভায় কেন গাওয়াও না ?। তোমার विश्वकश्रम कूटि চরণচুম্বনে, ভোমার মৃথে মৃথ তুলে চায় উন্মনে, শে যে আমার চিত্ত-কমলটিরে সেই রসে ভোমার পানে নিজ্য-চাওয়া চাওয়াও না ?৷ কেন আকাশে ধায় ববি-ভাবা-ইন্স্তে, বিরামহারা নদীরা ধার সিন্ধতে, তোমার তেমনি করে হুধাসাগর-সন্ধানে জীবনধারা নিতা কেন ধাওয়াও না ? আমার পাথির কঠে আপনি ছাগাও আনন্দ, ফুলের বক্ষে ভরিয়া দাও স্থগদ্ধ, তুমি তেমনি করে আমার হৃদয়ভিক্সরে

১ ২ • ৩ সা-রাগা | -1 গা গা I নি তুত • তোমার

ৰাবে তোমার নিত্যপ্রদাদ পাওয়াও না ?।

কেন

II{ধাধা-ণা | ধাপা-হ্মপা | গা -বা গা | রুসা(পাপা I যেফুল্ফোটে ∙∙ ফুল্ব নে∙ ভারি

- I পা পা -1 | আবা পা -1 | আপো -ধনা না | ধলা ⁴পা -লা I ম ধু ৽ কে ন ৽ ম ৽ ৽ন্ম ধু • পে •
- I গা গরা -মা|গা -1 -রা|সা -রাগা | -1 গা গা)} I -1 -1 I ঋাও য়া ও না • • নি ত্ত •তোমার • •
- I গা -1 পা | পা পা -1 | ফা পা -1 | পফা পা -1 I নি ড্ড স ভা • ব সে • ডো• মা ব্
- I পা -1 ধা | পধা -না -সিনা | -ধা -1 -নধা | -পা পা পা I
 প্রাঙ্গ বে ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ তে মার্
- I পা । না | ধা ধা না | ^পধা ধা 1 | পা পা 1 I ভূত তে রে সে ই স ভা য় কে ন •
- I সা সা -রা | গা -া -বা | সা -রা গা | -া গাগা II গাও য়া ও না •. • "নি ত্ত • তোমার্"
- -া-III {পা-াগা | পাপা-ধা | ধার্সা-নর্সর্গা | সাঁ সা -া I • বিশ্ল ক ম লুফুটে ••• চর ণ্
- I नी -नार्जी | ननी -र्जनी । । । । नी नी I हुम्द नि॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ लाख
- I পা নপা -রা | রা পরা -গা | রা -পা পা | পা পা -না I ভো মা• ব্ মুথে• ৽ মুখুড় লে চা যু

- I निधा-त्रीत्री | ना -1 -त्रना | -धा -1 -नधा | -शा-1 -1 } I उद्देश स्थान
- I ना शा-1 | धर्मा-1 र्मा | मंत्री मा-1 | मार्मा-ना I चा या बुं ठि उड्ड क य न् हिंदा •
- I निशा श्री ना | शा 1 2 2 | 2 | 1 | 1 | 1 | शा शा I स्म हेद्र स्म ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ एक न
- I গা গা -1 | গা গা -1 | গা -1 মা | গা রা -গরা I ভোষার পানে ∘ নি ড্ড চাও য়া ••
- I সা সা -রা | গা -া -রা | সা -রা গা | -া গা গা II চাও রা ও না ০ ০ "নি ড্ড ০ ডো মার্"
- -া-III { সা সা -া | সরা সা -া | সা সা -না I • • আনকা • শেধায়ুর বি • ভারা •
- I ন্ধা-নাধা | খ্লালালা | সান্সা-রা | বারা-া I ই নুহু ভেভোমারু বি রা॰ মু হারা •
- I গা -পা পা | পা পা -1 | জা পা -1 | পদ্ধা পা -1 I
 ভে মৃ নি করে হংধা সা• গ হ্

- I পা পা -না | ধা ধা -নধা | পা -1 ধা | পা পা -মা I জীব ন্ধারা • • নিত্ত কে ন •
- I { भा भा | भा | भा | भा भा भा भा भा | I भाभिद्य क ब्रुटं च्या প् नि चा भा भा
- I সা সা -না | রসা -নসা | | | | | সা সা I আন ন্দ • • • • • • • তুমি
- I দা নদা -রা | দর্রা -গা গা | রা দা -া | দাদা-না I ফুলে॰ রু বো॰ কুথে ভ রি ∘ য়াদাও
- I शा शा श्री | ना 1 श्री | शा 1 नशा | शा 1 1 } I इर्शन् ४ • • • • • • • • •
- I পা । ধা । ধৰ্মা পা । । প্ৰামা ব্ছ দ য়
- I श जी ना | श 1 नश | भा 1 1 1 भा भा I डिक्थ् वि • • • • • किन

- I शा शा -1 | शा शा -1 | शा -1 | शा वा -श्रवा I चा वा ॰ ज्ञाबा स्निङ्ङ ⇔ा ग•इ
 - I সা সা -রা | গা -া -রা | সা -রা গা | -া গাগা II II পাও য়া ও না • • "নি ডুড •ডোমার"

ৰাম্পক (1°)

বিপদে মোরে বক্ষা করে। এ নহে মোর প্রার্থনা—
বিপদে আমি না যেন করি ভয়।

হ:খভাপে ব্যথিত চিতে নাই বা দিলে সাস্থনা,
হ:থে যেন করিতে পারি জয়।

সহায় মোর না যদি ভূটে নিজের বল না যেন টুটে—
সংসারেতে ঘটিলে ক্ষতি, লভিলে শুধু বঞ্চনা,
নিজের মনে না যেন মানি ক্ষয়।
আমারে তুমি করিবে ত্রাণ এ নহে মোর প্রার্থনা—
তরিতে পারি শকতি যেন রয়।
আমার ভার লাঘ্য করি নাই বা দিলে সাস্থনা,
বহিতে পারি এমনি ঘেন হয়।
নশ্রশিরে স্থেয় দিনে ভোমারি মুখ লইব চিনে—
হথের রাতে নিথিল ধরা যে দিন করে বঞ্চনা
ভোমারে যেন না করি সংশ্য়।

5 II 7 र्शिना ना I शान বি 9 CF মো বে বো শা পা I 491 -到外 -81 I Ø হে যো न 21 41 I al शा शा शा বা Ι 31 11 21 রা Ι বি CH वि না दय न বি

A

I मान न निन न I भान भा । सा सा I व्ह • • • मू जू क थ छ পে ना शाना I निशा - वा ना I m শা ना I ত চি ভে না वि हे वा मि बा লে वा | नवा -गा I পा -i भा भा वा I I 71 -1 সা न् দ্বা • দু কু খে যে न शा वा बा मा - - - 1 - - - II I 31 31 क त्रि তে পারি জ • • II { भा भा - भा | भा - धा I धा भी भी | भी भी I হা য়ুমোরু নাৰ দি আছুটে স I मार्गार्गी की बी I मार्माना था ला I I नि द्रवल नायन है (9 I र्गा - । र्गा विश्व विश्व मि भी भी भी ना ना I স ঙ্সা রে তে ঘ টি **(म** তি I श श श | श मा I मना - मना मा | मना -श I म छिल छ धू व ० न 5 ना I श श भा भा दा I भा भा भा दा রা [নি एक इ म न न। एव न মা নি

I मा - - 1 - 1 - 1 II क • • • व्

II { গা আলা গা | গণা পা I পা পা পা | কণা -1 I আলা যা রে তুফি ক রি বে তা শ্

I পা পা পা | পা ফা I ফগা -ফগা ফা | ফনা -ধা I এ ন হে মো র প্রা • ফ্ বা •

I ধা ধা পা | পা রা I গা গা | বা রা I ত রি তে পারি শ ক তি যে ন

I সা - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 গা গা | বা - 1 I ব • • • যুজামার ভারু

I সা -1 রা | সরা -গা I গণা পা পা | পা রা I সা নু ঘ না॰ ৽ ব হি তে পা রি

I পা পা পা বিরা রা I সা -1 -1 | -1 -1 } I এ ম নি যে ন ছ ॰ ॰ ॰ য়

I त्री जी जी | वी - 1 I त्री त्री ना | था ना | I टा वा वि मूथ्न हे व कि ना

I र्शि र्शि र्झी र्झी मि र्भिन ना I इ. एथे व दाएड निथिन ४ दा

I ধা ধা । পা হ্লা I হ্লগা হলা | ক্লা -ধা I যে দি ন ক রে ব ॰ ন্চ না ॰

I ধা ধা পা | পা রা I গা গা গা | রা -া I তোমারে যে ন না ক বি স ঙ্

I সা -1 -1 -1 II II

'ইমন

शंक्या (10)

আগুনের পরশমণি ছোঁয়াও প্রাণে।
এ জীবন পুণ্য করো দহন-দানে।
আমার এই দেহখানি তুলে ধরো,
তোমার ওই দেবালয়ের প্রদীপ করো—
নিশিদিন আলোক-শিথা জলুক গানে।
আঁধারের গায়ে গায়ে পরশ তব
সারা রাত ফোটাক তারা নব নব।
নয়নের দৃষ্টি হতে ঘুচবে কালো,
যেথানে পড়বে দেথার দেথবে আলো—
ব্যথা মোর উঠবে জলে উর্ধ্ব-পানে।

- I भा भा -का । भा -1 -का I सभा -1 -1 -1 -1 I प्रत्मा ०० व्य००००
- I-সা-রাগা| গা গা -1 II • • "আহা ৩৬ নে রু"
- পা|পাপা-1 II পাপা-1 |পাপা-1 I পাপা-জা|পা -1 -জা I আমাৰ্এই দেহি॰ থানি তুলে • ধ • •
- I খপা -1 শনা | না না -1 I ধা ধা -পা | পা পা -1 I রো তো মার ও ই দেবা লয়ে রু
- I শমামা -গা | গরা -৷ -মা I গা -৷ {পা | নানা-৷ I প্ক ৽ ৽ রো ৽ নি मি দিন্
- I না না | না নধা না I সা স্না র | সা । নধা I আলোক্ শিথা∘ জ লু∘ ক্ গা ∘ ∘ ∘
- मा| मामा-| II { भामा-| | मामा-| I मामा-| मा-मदा I चा शास्त्र द्रास्त्र भासा भाषा ७०००
- I বা -1 সা | গা পা -1 I গা গা -1 | ষা পা -মগা I ব • সা বা বা ড্ফো চাক্ তা বা ••

- I পাণমা:-গ:| গৱা-া-গমা সা-া (সা| সাসা-া)} I পা | পাণা-া I ন ব ৽ ন ৽ ৽ ব ৽ আঁধারে র্ন য়নে রু
- I भा-1 भा | भा भा -1 I भा -1 भा | भा -1 -मा 1 मृष्টि হ তে॰ चूह्द का॰॰
- I শপক্ষা-পানা | নানা-া I ধা-া ধা | পাপা-া I লো॰ ৽ যে থানে ৽ প ড্বে সে ধায়
- I পমা-ামগা | গরা-া-গমা I গা -া{পা | না না-া I দেখ্বে∘ আন ০ ০ লো ০ ব্য থামোর্
- I ना । ना ना नशा ना I जी । र्जी । र्बर्गा । नशा I डिर्मुट करल ॰ डियु ४ भी ॰ • •

मामत्रा (1º)

যিনি সকল কাজের কাজী মোরা তাঁরি কাজের সজী।

যাঁর নানা রঙের রক্ষ মোরা তাঁরি রসের রজী।

তাঁর বিপুল ছন্দে ছন্দে

মোরা যাই চলে আনন্দে,

তিনি যেমনি বাজান ভেরী মোদের তেমনি নাচের ভঙ্গী।

এই জন্ম-মরণ-থেলায়

মোরা মিলি তাঁরি মেলায়,

এই তঃধহুথের জীবন মোদের তাঁরি থেলার জঙ্গী।

ওরে ডাকেন তিনি যবে

তাঁর জলদ-মন্দ্র রবে

ছটি পথের কাঁটা পায়ে দ'লে সাগর গিরি লজ্জি।

গাগা II গাগা -মা | পানা -া I না -খনা গা | -া পা না I

যি নি সক ল্কাজে ব্কা • জী • মোরা

I গার্গা -গা | রা সা -না I থনা -া খপা | -া পা -া I
তারি • কাজে ব্ স • ঙ্গী • যাঁর্

I হ্লাপা -হ্লা | হ্লাপা -া I মা -া গা | -া গা গা I
না না • র • ঙে ব্র র ঙ্গ • মোরা

I গা গা -মা | পামা -া I হ্লা -া হ্লা | -া গাগা II
তারি • ব দেব্র ও্গী • "যি নি"

- भानाश्चाभान। नाना ना जी ने जी जी श कींव विभूत हन्द हन्द • स्वास
- ा भा-। भा । भाना । भा-। ना । -। (भा-) } । भाना । चाहेह ला॰ ॰ चा नन्ता ॰ चांद्र छिनि
- I भी । र्शार्भी भी I भी भी विं । भी नी । I य स्नि वा छा॰ न् एड दी॰ स्मास्त इ
- I পা -1 ৰ্গা / রা পা -না I ধনা -1 ৰপা / -1 মা গা II ভে মুনি নাচে যু ভ-ঙ গী • "যি নি"
- मा-1 II { मा-भाभा | भाभा-1 | भाभा-1 | -1 भा धा I आदे प्यन्य यत्न (थना॰ श्राजा
- I ণার্সা-া | ণাণা-ধা I পধা পমা-া | -গা গা -া I
 মি লি ॰ আঁরি মে-লা য় এ ই
- I शा 1 शा शा शा 1 I शा शा मा | शा मा 1 I इक्षे इक्षे इक्षे इकी वन् स्माप्त इ
- I शाशा-मा | शामा-ा I शा-ावना | -1(मा-ा)} I शाशा I जीवि ॰ स्थलाव् च्यक्ती॰ ॰ এই ও বে
 - I { मा भा न | ना ना न I ना भी न | न भी न I । जा न I । जा न प्राप्त के जिल्ला का स्वाप्त के प्राप्त के स्वाप्त के स्वाप्त

ा श्री श्री श्री श्री वा श्री वा न श्री

- ा भी भी न| भी भी भी न| भी भी न| न| मिला न| प्राप्त के के के के ला के
- I नी नी जी | वी नी ना I थना । थना | । मा ना II II
 ना गब् गिवि॰ ल॰ঙ् घि ॰ "यि नि"

माम्बा (1°)

এই কথাটা ধরে রাখিস— মৃক্ষি ভোরে পেতেই হবে।

যে পথ গেছে পারের পানে দে পথে তোর যেতেই হবে।

অভয় মনে কণ্ঠ ছাড়ি গান গেয়ে তুই দিবি পাড়ি,

খুলি হয়ে ঝড়ের হাওয়ায় চেউ যে তোরে খেতেই হবে।

পাকের ঘোরে ঘোরায় যদি, ছুটি তোরে পেতেই হবে।

চলার পথে কাঁটা থাকে, দ'লে তোমায় যেতেই হবে।

স্থথের আশা আঁকড়ে লয়ে মরিদ নে তুই ভয়ে ভয়ে,

জীবনকে তোর ভ'রে নিতে মরণ-আঘাত থেতেই হবে।

II সা -1 বা | গা পা -ধা I পা পধা -না | ^গনাধপা -1 I

এ ই ক থাটা ৽ ধ বে৽ ৽ বাখি• স্

I পা -ধা ⁴পা | মা গা -বসা I সা সা -বা | বা গা -1 I

মুক্তি তোরে ৽৽ পেতেই হ বে ৽

I পাধা -1 | ধর্সা সা -1 I স্বিগি ^{ব্র্}সা -1 | নাধা -না I

যে প থ্ গে॰ ছে ৽ পা৽ বে বু পানে ৽

I পাধা -নধা | পা পা -গা I গা পা -1 | ধা না -ধপা I

সে প ৽ ॰ থেতো বু যে তেই হ বে • •

I পা-ধা^ৰণা | মা গা -রসা I সা সা -রা | রা গা -1 II মৃক্ডি ডোরে ৽৽ পেতে ই হবে ৽

- II মণা হ্লপা -গা | পা পা -ধা I ধা-সার্গা | সাহর্গা-া I আন ভে গ্ম নে ০ কণ্ঠ ছাড়ি ০
- I সা বা | বা সরি গা I পরি সা রসা | নাধা না I গান্ধে য়ে তু॰ ই দিবি • ॰ পাড়ি ৽
- I পাধা-া | সাসা-া I সরা ফরা -া | সনাধা-না I খুশি ॰ হয়ে ৽ ঝা• ড়েরু হাও য়া য়্
- I পা -1 ধা | পা পা -গা I গা পা -1 | ধা না -ধপা I ে উ যে জোৱে ॰ খেতেই হ বে ॰ •
- I পা-ধাণপা | মা গা -রসা I সা সা -রা | রা গা -1 II মুক্তি তোরে ০০ পেতে ই হবে ০
- II সা সা -ধা | সা সা -বা I বা গা -1 | গা গা -মা I পাকে বা ঘোরে ৽ ঘোরায়্য দি •
- I পা ধা ৷ | ধৰ্সা সা ৷ I স্বী সা ৷ | না ধা না I চলাবু প • খে • কাঁ• টা • খাকে •
- I भा शा -तशा | भा भा गा I गा भा । | शा ना । I म' मि •• जा गा ग्राय ख दे हत •

- I সারা | রাসরা-গা I গরাসা-রসা | নাধা-না I ম বি স্নেতৃ৹ ই ভ য়ে ০০ ভ য়ে ০
- I পাধা-া | ধৰাৰা-া I ৰ্বল ফ্লা-া | নাধা-না I জীব নু কে∘তোৱা ড॰ বে ∘ নিডে •
- I प्रभाषा-नधा | भाभा-ना I नाभाना-धभा I यव • न्षाचा ज्याख हे इ. दि • •
- I পা-ধা⁴পা | মাগা-রনা I সাসা-রা | বা গা -1 II II মৃক্তি তোরে ৽৽ পেতে ই হবে ৽

लान्या (1°)

সর্ব থবঁতারে দহে তব ক্রোধদাহ—
হে ভৈরব, শক্তি দাও, ভক্ত-পানে চাহো ।

দ্ব করো মহারুদ্র যাহা মৃয়, যাহা ক্রু—
মৃত্যুরে করিবে তুচ্ছ প্রাণের উৎসাহ ।
হংথের মহনবেগে উঠিবে অমৃত,
শক্ষা হতে বক্ষা পাবে যারা মৃত্যুভীত।
তব দীপ্ত রৌদ্র তেজে নির্মারা গলিবে যে
প্রস্তরশৃত্ধলোমুক্ত ত্যাগের প্রবাহ ।

- I श्रमा -1 -1 -1 -1 II ए'•••••
- II { र्जा 1 | र्जा र्जा | प्र
- I र्नर्भा ना । र्ना ।
- I ৰ্পা পা | রা রনা I নরারা | পা বা I য়৽ ৎ তুরে ৽ ক৽ রি৽ বে ৽ তুচ্ছ
- I ৰ্বরির্কল | নাধা I হলা -ধা পা | 1 1 I প্রাণ বে ৽ ব উ ৎ সা ৽ হ ৽ • •
- I ৰ্পা ন ন বি I ৰ ৰ্পা ন ন I বি বি ক্তি
- I পা-ধা-না | -র্গা-র্গা I -র্গা-া | র্গা-া না I দা ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৩ ভ ক্ত
- I ধনা -া -া | পা র্রপা -না I ধপা -া -া -া -া -া II পা৽ ৽ নে চা৽ ৽ ছ'৽ ৽ ৽ ৽ •

- I গা মা মা | গারা গা I সা রসারা | রপাগা 1 I গে • উঠিবে • • • আনু মৃ• ড •
- I সা -1 -রা | রপা -1 স্থা I গা -1 -1 | -1 -1 -1 I শ • ড্কা• • হ ডে • • ^ • •
- I না -া -রা | সা -পা হ্লা I গা -া -মা | গা রা -গা I রো • ক্থা • পা বে • • যারা •
- I সা -1 -রা | ^রসা -পা স্থা I গা -1 -1 | -1 -1 -1 } I মু • ६ তু • ভী ত • • • •
- I { र्जा र्जा | र्जा । र्जा | र्जा र्जा । I जिन के निष्ठ को नुस्र खासार
- I ৰ্পি | পি | বি রা ∘ বি রা । বিবা | বা | ব
- I र्जा । र्जा | र्जा र्जा ना I नर्जा र्जा । र्जा -
- I ৰ্পুৰিৰ্মা -1 | না -1 ধা I হ্বা -ধা পা | -1 -1 -1 I ত্যা• গে • র • প্র বা • হ • • •
- I গা -1 -1 | গা -না -রা I ফ্রা -1 -1 | গা -1 না I হে ০ ০ ছ ০ ই র ০ ব্ শ ক্ডি

- I भा-धा-ना |-भा-दी-र्नदी I -भी-1 -1 | भी-1 ना I
- I ধনা 1 1 বা র্রগা না I ধপা 1 1 1 1 1 IIII পা • • • • • • • • • • •

मानवा (1°)

প্রাণ ভরিয়ে ভূষা হরিয়ে चांद्रा चांद्रा चांद्रा मंख श्रांव। মোরে তব ভুবনে তব ভবনে মোরে আরো আরো আরো দাও স্থান। আরো আলো আরো আলো এই नग्रत्न, প্রভু, ঢালো। স্থরে স্থরে বাঁশি পূরে তুমি আরো আরো আরো দাও তান। चाद्या दक्ता चाद्या दक्ता. দাও মোরে আরো চেতনা। প্রভূ, षात इटोर्स वांधा ट्रेटोरम করো জাণ মোরে করো জাণ। মের चारता त्थारम चारता त्थारम আমি ডুবে যাক নেমে। মোর ऋशंशाद्य व्यापनाद्य

ভূমি আরো আরো আরো করো দান s

नाना II {नानाना | - । भाना I नीना वर्षा | - भंना क्षा भा I श्री व च विद्या • इ. वा व विद्या • • स्थादा

I नर्जाणी ना शासामा शासा वा - शासा | - (नाना) } I भा मा I च्चा - दाच्चा दाच्चा - दा मा खट्या न् ट्यान छ व

I भाषा भा | - । मा मा I वा भाषा | - । मा मा I ভূবনে • ড ব ড বনে • মোরে

- I नर्जी अर्था । शा श्रंथा मा प्राप्ता । ना ना II चा त्वाच्या दाच्या दा मा ५ ट्या व्यव्या व
- র্গারা II { গরা গামা | । মাম্বর্গা I রুগা মর্গার্গা | নানা শা I আমারো আমাণ ০ লো ০ এ ই
- I र्नर्ज्ञा भी गा | धा धा धा । प्रधा भा धा | 1 (र्जार्जा) } I ना ना I न ग्रन ॰ প্র ভূ চা॰ ॰ ॰ লো ॰ জ্বারো স্থরে
- I না না |) পা না I সা না ৰ্লা |) ণা ধা I হু • রে • বাঁশি পূ • রে • তুমি
- I र्यमामा शा | मा शा धा I धा -1 श्रध्या | -1 धा या दा व्यादाच्या दा व्यादा मा ও তা॰ न्याद
- I नर्जा भी ना | शा श्रश मा I मा -शा शा | -। ना ना II चा॰ त्वा चा॰ त्वा चा॰ त्वा चा॰ उट्टा न्"उटान"
- नाना II { नन् नाता | । वातन् I नाताशा | । शाशा I चाता तकना ॰ चाता॰ तकना ॰ टाजू
- I গন্-সারা | গা গা গমা I গরা গা মা | -া মা মা I দা ৩৪ মো রে আমারো∙ চে ড না • ভার

- I मशा मा পा | । পा পধা I পमा পা शा | । शा शा I ছুটারে • বা থা• টু• টারে • মোরে
- I { পేৱা পা মা | | মা মণা I রণা মণা রপা | না না পা I কো• • মে • আনো• কো• • মে• • মোর
- I ^{প্}রাসাণা|ণাধা-ণধা I পধা-পণাধা|-া(র্গার্গা)} I নানা I আম ফু বেযা ∘ক্নে ∘ মে ∘ আম রো স্থধা
- I না 1 না | 1 পা না I সা না ৰ্ল্সা | 1 ণাধা I ধা ০ রে ০ আন প না ০ রে ০ ডুমি
- I পর্বা পা ণ | ধাপধামা I মা-পাধা | -া না না II II আ ৷ বো আমা বো আ ৷ বো দা ও প্রা ণ্ডিপাণ"

कांशंद्रवा (12)

আমি মারের সাগর পাড়ি ছেব বিষম ঝড়ের বায়ে
আমার ভয়ভাঙা এই নায়ে ।
মাভেং বাণীর ভরদা নিয়ে ছেঁড়া পালে বুক ফুলিয়ে
ভোমার ওই পারেতেই যাবে তরী ছায়াবটের ছায়ে ।
পথ আমারে দেই দেখাবে যে আমারে চায়—
আমি অভয় মনে ছাড়ব তরী, এই ভধু মোর দায় ।
দিন স্থালে, জানি জানি, পৌছে ঘাটে দেব আনি
আমার হংথদিনের বক্তক্ষল তোমার করুণ পায়ে ।

১ ০ ১ ০ ০ সালা II ধা-সাসা-| সা-সা-বা I গা-পাপা-ধা|পা-|মা-পমা I আমি মা • বেরু সা • গুরু পা • ড়ি • দে • ব • •

I রা-গাগা-|পা-|পা-| I পা-|-|ধা|র্সা-|না -ধা I বা ০ রে ০ আ ০ মার্ভ ০ র্ভা ঙা ০ এ ই

I পা-ধাধা-পা|মা-গারা-সাII না • রে • "আ। • মি •"

- I नी-नी-ची|ची-नी-नी I ची--। नी|ना-। था-नथा I ६ ॰ ७। ॰ भा॰ ला ॰ वृ० क्ष्म् नि० छा ००
- I ধা-1 পা-1 ধা -1 না -পা I পা-না না -1 | ধা-1 না ধা I যা • বে • ড • বী • ছা • বা • বে • টেব
- I পা-ধাধা-পা | মা-গারা-সা II ছা • রে • "জা • ফি •"
- I ना-ा-ना | ना-ाना-ता I दा-ना-ा-। ना-ा-। भाभा I य••च्या या•दा• চा••• • ब्रूचायि
- I পা-1 था-1 | श्री-1 ना -1 । धा-1 -1 भा | धा-1 ना -भा I च छ । छ व छ दी `
- I भा-ना-ाना | ना-ाशा-ना I यभा-ा-ा-ा | -शा-ना-भा-ा I व हे० ७ श्रामा इ मा००० ००० ह
- I পা-না-ানা-াধা-না I ধণা-া-া-া-া-া-া-}I এ ই ০ ৩ ধু ০ মোর্ লা ০ ০.০ ০ ০ ০ গু

- I {পা-1-1 গা|পা-1 পা-ধা I ধা-পা পা-1 | গা -1 | গা -1
- I সা-রা-ারা|রা-াসা-গা I রা-াসা-া|না-াধা-নধা I পৌউ ∘ছে ঘা∘টে ৽ দে ৽ব ৽ আ ৽িন ৽৽
- I -পা-1-1-1-1-1-1-1 | পা পা I পা-1-1ধা | পা -1 না -1 I
 • • • • আমার ছ কথ দি নের
- I ধা-1-1 পা|ধা-1 না-পা I পা-নানা-1|ধা-1 নাধা I র • ক্ত ক • ম লু তো • মার ক • রুণ
- I পা-ধাধা-পা|মা-গারা-সাIIII পা • য়ে • "আ • মি •"

वाववा (12)

সংহাচের বিহ্মপতা নিজেরে অপমান,
সঙ্কটের কল্পনাতে হোলো না প্রিয়মাণ।
মৃক্ত করো ভয়, আপনা-মাঝে শক্তি ধরো, নিজেরে করো জয়।
হর্বলেরে রক্ষা করো, হুর্জনেরে হানো,
নিজেরে দীন নিঃসহায় যেন কভু না জানো।
মৃক্ত করো ভয়, নিজের 'পরে করিতে ভর না রেখো সংশয়।
ধর্ম যবে শঙ্কারবে করিবে আহ্বান
নীরব হয়ে, নম্ম হয়ে, পণ করিয়ো প্রাণ।
মৃক্ত করো ভয়, হুরুহ কাজে নিজেরই দিয়ো কঠিন পরিচয়।

 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ
 अ</

- I नी र्गार्ग | र्जा र्जा I नी । ना । धा I चा भ ना भा • स्वा म क् छि ध • स्वा
- I ধা সা না | না -1 ধা I পা -1 -1 | পা -1 -1 I নিজে রে ক • রো জ • য় আবা • •
- I পা 1 গা | পা 1 পা I পা 1 পা | পা হ্বা পা I ছ ব্ব লে বে বোক্থা ক বো
- I পধা 1 ধা | পা 1 হ্বা I গা পা 1 | 1 1 I ছ॰ বু জ নে বে হানো • •
- I পানানা | ধনা -া না I ধনা -া ধা | পা -া -আন I নিজেবে দী॰ ৽ ন নিঃ ৽ স হা ৹ য়্
- I সা -1 সা | সা -নারা I সা -1 -1 -1 -1 -1 I মুক্ড ক ৽ রো ভ ৽ ৽ ৽ ৽ য়

- I क्री र्जी | क्री | क्री I क्री क्री क्री | ना | -शा I निकार भ ॰ दा क विष्ण ७ ॰ व्
- I সা-রা-গা | -ফ্রা-পা-ধা I ধপা-া-া | -1 -1 -1 I
- I পা 1 গা | পা হরাধা I পা 1 গা | পা ছরাধা I ধর্ম য • বে শঙ্ধ র • বে
- I পা পা গা | পা -1 ऋता I ধা -1 -1 | -1 -1 -1 I क दि व अथा ॰ ॰ ऋता ॰ ॰ ॰ न्
- I পাধানা | ना न ना I थना न ना | नधा न भा I नी द्वर ह • द्वर न • • सर्ह • द्व
- I शा-ना ना | धना -1 धा I शा -1 -1 -1 -1 I श ब्क वि॰ • स्त्रा व्या ^ ॰ ॰ ॰ ब्
- I র্গার্গান র বা I র র র র বা ন বা I ছুর ছুকা ও জেনিজেরি দি ও রো

I धार्माना। ना-ाधा। भा-ा-। भा-ा-। हरू किं न १० दि ६० ग्रुष्मा • •

I সা-রা-গা | -দ্ধা-ধা I ধপা -া -া | -া -া -া II II আ ০ ০ ০ ০ ০ হা ০ ০ ০ ০

একডাল (1°)

বাংলার মাটি, বাংলার জল, বাংলার বায়ু, বাংলার ফল—
পুণ্য হউক, পুণ্য হউক, পুণ্য হউক হে ভগবান ॥
বাংলার ঘর, বাংলার হাট, বাংলার বন, বাংলার মাঠ—
পূর্ণ হউক, পূর্ণ হউক হে ভগবান ॥
বাঙালির পণ, বাঙালির আশা, বাঙালির কাজ, বাঙালির ভাষাসত্য হউক, সত্য হউক, সত্য হউক হে ভগবান ॥
বাঙালির প্রাণ, বাঙালির মন, বাঙালির ঘরে যত ভাই বোনএক হউক, এক হউক, এক হউক হে ভগবান ॥

- II মা-পাপা ়ি-াপাপধপা ়িমা-পধা পা | -মগা গা -মা I বা ঙ্লা র্মাটি৽৽ বা ৽ঙ্লা ৽র্জ ল্
- I মা-পাপা | । পা পমা | পা-ধাপধা | -না না-ধপা I বা ড্লা ব্বায়ু বা ড্লা ব্ফ ০শ্
- I পা -ধৰ্মা ৰ্মা ৰিমা না | নৰ্মা ৰ্ম্মা ৰিমা ৰিমা না I পু ৽ ল্ণ হ উ ক্ পু ৽ ল্ণ হ উ ৽ ক্
- I ধনা-সানা | নাধনধা-পা | কা-পকাগা | কাপা-া II পু৽ ৰ্ৰ হ উ৽৽ ক্ হে ৽৽ ভ গ বান্
- II {ধা -নৰ্সানা | -ধণা পা -ধা | ধা -না না | -1 না -1 I বা •ঙলা • ব্ঘ বু বাঙ্লা বুছাট

- I नर्जा-1र्जा | -नार्जा-र्जा | र्जा-र्जार्जा | -र्जाना (-नर्जना) } I -नध्या I वाङ्ला द्वन् वा ०७ ला द्वा ०० र्ठ् ०० र्
- I পা-ধর্দা | র্দা দা | নর্দা -র্দা রা | দা র্দ্ধা না I পুণর ৰ হউ ক্পুণ ৽র ণ হউ ৽৽ ক্
- I না-ধনসানা | নাধনধা-পা | হ্লা-পদ্লা গা | হ্লাপা-া II পু ৽৽র্ণ হ উ৽৽ ক্ হে ৽৽ ভ গবান্
- II {ধা নৰ্গা না | -ধপা পা -ধা | ধা না না | -া না না I বা ঙা॰ লি ০ র প ণ্ বা ঙা লি র আমাশা
- I নৰ্সাৰ্সা-রা|পার্সা|-সানা(নর্সনা)} I নধপা I বাঙালি বুকাজন্বাঙা∘ লি বুভাষা৽৽ যা∘৽
- I পা-ধৰ্মা শা | শা শা | নৰ্মা-ৱৰ্মা বা | শা শ্ৰ্মা না I স ০ত্তা হ উ ক্ স ০ ০ত্তা হ উ ০ ক্
- I না-ধনসানা | নাধনধা-পা | কা-পকাগা | কাপা-া II স •০ত্তা হউ•৹ ক্হে •০ ভ গবান্
- II {ধানসানা | -ধপা পা -ধা | ধা না না | -া না -া I
 বা ঙা॰ লি তবু প্রা ঙা লি বুম ন্
- I নির্দার্গারা|-নার্গার্গারা|-সানা(-নর্সনা)} I -নধপা I বাঙালি বুঘরে যত∘ ভা ইবো ∘∘ন্ •৽ন্

- I পা -ধৰ্মা -1 | সা সা -1 | নৰ্মা -র্মা -র্মা | সা স্র্রমা -না I এ ০০ ক্ছ উ ক্ এ০ ০০ ক্ছ উ ০০ ক্
- I না-ধনৰ্পা-না | নাধনধা-পা | ক্ষা-পক্ষাগা | ক্ষাপা-াIIII এ ০০০ ক্ হউ-০ ক্ হে ০০ ভ গৰান্

একতাল (12)

আমাদের যাত্রা হল শুরু এখন, ওগো কর্ণধার। ভোমারে করি নমস্কার।

এখন বাতাদ ছুট্ক, তুফান উঠুক, ফিরব না গো আব— তোমারে করি নমস্কার ॥

স্থামরা দিয়ে তোমার জয়ধ্বনি বিপদ বাধা নাহি গণি ওগো কর্ণধার।

এখন মাতিঃ বলি ভাসাই তরী, দাও গো করি পার— তোমারে করি নমস্কার॥

এখন রইল যারা আপন ঘরে চাব না পথ তাদের তবে ওগো কর্ণধার।

যথন তোমার সময় এল কাছে তথন কে বা কার— তোমারে করি নমস্কার।

মোদের কেবা আপন, কে বা অপর, কোথায় বাহির, কোথায় বা ঘর ওগো কর্ণধার।

চেয়ে তোমার মূথে মনের স্থথে নেব সকল ভার— তোমারে করি নমস্কার॥

আমরা দিয়েছি দাঁড়, তুলেছি পাল, তুমি এখন ধরো গো হাল
ওগো কর্ণধার।

মোদের মরণ বাঁচন চেউয়ের নাচন, ভাবনা কী বা তার— ভোমারে করি নমস্কার।

আমরা সহায় খুঁজে পরের ছারে ফিরব না আর বারে বারে ওগো কর্ণধার।

কেবল তুমিই আছ আমরা আছি এই জেনেছি দার—
তোমারে করি নমস্কার।

७ र्र २ ०॥ ७ मा | मामा - II क्षा - मा | मा मा - भा | भा भा - ना | ना भा ना | ना भा भा ना | ना भा भा मा क्षा म

- I त्रानमा-| ना-जीजी| नर्जा-ना मा | मा शा-ना I ९९ लो॰ ॰ क इ. व. व. व. जा त्रा ०
- I मा शा -1 | श्ला ला शा छन -1 । ता छन -1 ।

 क वि ० न म म् का ० वृ ७ थ न्
- I मा भा । । भना ना भा मा ज्ञा । मा मा । I वा जा म् इ. इ. क् जूका न् डे ई क्
- I জ্ঞা জ্ঞা | ঝা -জ্ঞা | সা । ঝা | সা দা -ণ্ I ফি ব্ব না ০ গো আমা বুডো মারে ০
- পা-1পাII{মা^ৰদা-1 | দাদা-ণা | ণার্সা-1 | র্পার্সা-1 I **আম্**রা দিয়ে ০ তোমার জন্ম ০ ২৭০ নি ০
 - I পৰ্জাৰ জা-1 | রাৰ্জা-1 | মামা-1 | মামা-1 I বি• পদ্বাধা• নাছি• গুৰি•
 - I आर्का का न| क्षा का का | जी -1 -1 | (बा-माशा)} I -1 मामा I प्रता॰ क द्व था ॰ द्या मृता ॰ खंचन्
 - I সাঁ সা -1 | ঝা ⁴ঝসো -1 | ণা ণা -ল | ⁴লা পা -1 I মাডে: • ব লি• • ভা সা ই ড রী •

- I भा । मा । मना मा । भा । भा । भा मा मा I मा ७ शो कि ति ॰ भा तु ज्ञा या त्र ॰
- I मा পা । । १९९१ मा भा । मा का । मा मा । I वा छ। मुझ हे क् छूका नु छे ई क्
- I स्था । इका । श्या इका श्या | मा ना ना ना मा ना मा ना मा दि । कि द व ना ॰ तथा आप दिखा मा दि ॰
- I সা সা -ঋ | ^ৰজ্ঞা ঋা | সা | সা | সা সা | II ক রি ∘ ন ম স্কার্"আ মাদে রু"
- -াসাসাII{⁴সা -া সা|সা সা -ঋ|জ্ঞা জ্ঞা -মা|মা মা -া I • এখন্র ই ল যারা • আ\ প ন্ছ রে •
- I পা পা পা | দা পা | মা জ্ঞা i | রামজ্ঞা কা I চাব ৽ না প থ্ তাদের্ত রে ৽
- I সা সা -ঝা | জ্ঞা 1 ঝা | সা 1 1 | 1 দা দা I ও গো ০ ক বুণ ধা ০ ০ বুম ধন্
- I क्तार्जा 1 | इत्तीर्वर्जी 1 | भाषा-मा | वकाशा 1 I · তোমার্স ম৹ যু এ ল ৹ কাছে ৹

- I ना ना ना | ना ना | ना ना | ना ना I ड च न क • वा का बुख्डा मादा •
- I या ना न न न न न न न न न न न न न न म जा का न I का का न I का का न म जा का न व अ थ न
- I मा भा । । भा ना भा । मा का । । मा मा । I वा जा न्हू हे क् जूका न्छ ई क्
- I সাসা-ঋা | অভন ঋা-1 | সা-1-1 | (-1 সাসা) } I পাপা-1 I করি
 ন ম স্কা • ব্ • এখন্ মোদে ব্
- I श्रा-। ना । वा ना ना ना ना ना व्याप ना व्य
- I आर्था का न | व्रार्था न | भार्या न | भार्या न | या भारा न | या
- I क्वार्का-1 | क्वार्का क्वा | जी -1 -1 | (भाभा-1) } I -1 का का I प्रत्या • क द्वा था • द्वा स्वास्त्र • क्वा
- I क्लार्जा | क्लार्ज्जा | नाना-ना| ननाना I क्लाबा सुध्य ० सन्ब इट्य ०

- I भा भा ज्ञां विकास १ भा १ भा भा जा I त्र व ॰ मक व्र खा इ. खा साइव ॰
- I মা পা -1 | পণা দা -পা | মজ্ঞা -1 -1 | রা জ্ঞা -1 I ক বি ৽ নম স্কা৽ ৽ র্ এ থ ন্
- I মা পা -1 | পণা দা -পা | মা জ্ঞা -1 | মা মা -1 I বা তা স্ছুটুক্তু ফা ন্উ ঠুক্
- I sen | sen | ঝা sen ঝা | সা 1 ঝা | সা দ্ ণ্ I ফি বু ব না ০ গো আম বুতো মারে ০
- I সা সা ঝা | খজন ঝা 1 | সা 1 সা 1 II ক রি ৽ ন ম স্কার্"আ মাদে রু"
- | সা সা II { শ্সা সা | সা সা ঋ | ভজা ভজা মা | মা মা । I • আমারা নি য়ে • ছি দাঁড় তুলে • ছি পা স্
- I পা পা ণা | দা পা । | মা জ্ঞা । | রা ম্জ্ঞা ঝা I
 তুমি ৽ এ খ ন্ধরো ৽ গো হা স্
- I সা সা -ঋা | জ্ঞা ব ঋা | সা 1 1 | 1 দা দা I ৩৪ গো ০ ক ব ব ধা ০ ০ ব মোদের
- I मर्जार्जा-1 | क्यार्ज्यका-1 | नाना-ना | नना भा-1 I संदर्भ वी ह॰ न् एक्टेस द्वाह न

- I भा-ा मा | भा-भा मा | भा-। भा | भा भा मा I ভा ব্না की ॰ वा ভা बृद्धा मादा ॰
- I मांभा न | भना मा -भा | मळा न न | ता ळान I कवि ॰ न म न का॰ ॰ बु ७ थंन्
- I মা পা -1 | ^পণা দা -পা | মা আন -1 | মা মা -1 I বা ভা স্ছেট্ক্তু ফান্উ ঠুক্
- I son -1 son | श्रा-का श्रा | मा -1 श्रा | मा मा -1 ग्रा | मा मा -1 ग्रा | मा दि जा मा दि जा मा दि ज
- I সাসা-ঋা | আজোঝা-1 | সা-1 -1 | (-1 সাসা) } I পা-1 পা I করি নম স্কা র আম্রা আমাষ্রা
- I { या या मा | मा मा गा | गार्था गार्था
- I र्म्बला । व्यक्ता व्यक्ता । या या -
- I व्र्णाव्या व्रिंग्या वर्षा व्राप्ता व्याप्ता व्यापता व्य

BI SIR

- I পা । লা | দণা লা | | পা । পা | পা পা লা I এই জেন নেছি ∘ সা বাডো মারে •
- I মা পা -1 | পণা দা -পা | মজ্জা -1 -1 | রাজজা -1 I করি ৽ নম স্কা৽ ৽র্ এ ধ ন্
- I मा भा । । भा भा भा । मा खडा । | मा मा 1 I वाजा म्ছू টুক্তু का न् উ ঠুক্
- I sen -1 sen | ঝা -জn ঝা | সা -1 ঋ | সা দা -ণ্ I ফি বুব না ০ গো আ বুতো মারে ০

मामदा (14)

নিশিদিন ভরসা রাখিস, ওরে মন, হবেই ছবে। যদি পণ করে থাকিস সে পণ ভোমার রবেই রবে। ওরে মন, হবেই হবে॥

পাষাণসমান আছে পড়ে, প্রাণ পেয়ে সে উঠবে ওরে,
আছে যারা বোবার মতন তারাও কথা কবেই কবে।
ওরে মন, হবেই হবে।

সময় হল, সময় হল— যে যার আপন বোঝা ভোলো রে—

হঃথ যদি মাধায় ধরিস দে হঃথ ভোর সবেই সবে।

ওরে মন, হবেই হবে।

ঘণ্টা যথন উঠবে বেজে দেখবি সবাই আসবে সেজে—

এক সাথে সব যাত্রী যত একই রাস্তা লবেই লবে।

শুরে মন, হবেই হবে।

• ১´ • ১´ • সা|বাগা-পা II {পা-াধাধাধা-না | পা পধা-না | নানধা-পা I
নি শিদি ন্ ভ ৰুসা বাখি স্হ বে• ই হ বে• •

I -1 -1 পা | গারা-না I সা সা -রা | রাপা-1 I • • ও রেম ন্ছ বে ই হ বে •

I (-1 -1 ना | वा शा -भा) } I -1 -1 भा | भा था -भा I
• • नि मिन् • • व कि भा ब्

- I की की | की की | I ना ना | शाका | य
- I था था -क्षी किश्ची । I ।) जा | जा जा । I ब दि हे द दि • • • छ दि घन
- I সা সা -রা | রা গা -1 I -1 -1 সা | রা গা -পা II ছবে ই হবে ∘ • "নি শি দি ন"
- II शाभा-1 | भाधा-1 I धार्भा-नर्मक्षी | भी भी -1 I भाषाव म मान् चाट्ड ••• পড়ে •
- I সা -া রা | রা সরা -গা I রা -া সা | নাধা-নধা} I আলা ণ্ণে য়ে সে• • উ ঠ্বে ৩ বে •^
- I नाधा-। इति भी -। I नानभी -ना। धाना-। I चाट्ट॰ याता ॰ वावा॰ स् म छ न्
- I পা পা -1 | পা পা -1 I ধা ধা -রা | রা সা -1 I ভারাও কথা • কবে ই কবে •
- I 1 1 ना | ना ना 1 मा ना चा | चा ना 1 I • • • व व म न हद है ह व •
- I -1 -1 되 | ଗ গ -위 II • • "줘 며 두 주"

- II ना ना -श्| ना ना -बा I वा ना -। ना ना -। प्राप्ता । न व व्यव्य हन न व व्यव्य हन •
- I वाशा-1 | वाशा-1 I शाशा-शा| वाबा-1 I यिया द्वा अप नृत्वाका • एका तमा •
- I र्नर्जा की न | नाशा-नशा I भाशाना | भाशाना I मा॰ था व् ४ वि ॰ न् न् क् क् थ छा व्
- I था था ब्री | ब्री भी II 1 1 ना | मा मा 1 I म त्व हे म त्व • • • • द्व म न्

- I नी नं वी | वी नंबी नं नी I वी नं नी | ना था नवा } I

 स्थि न ता॰ है जा नृत स्न स्था ००
- I भा । शा श्री ना । ना । शा भा । I जक्ना अन्त व शा र जी य छ •

- I भा भा -1 | भा -1 भा I शा शा -वी | वी भी -1 I अक्षि । वा भू छ। न त है न त •
- I -1 -1 ना | ना ना -1 I ना ना -वा | वा ना -1 I • • ও वा म न्हत है हत •

काशंत्रवा (१९)

পুব-সাগবের পার হতে কোন্ এল পরবাসী—

শুন্তে বাজায় ঘন ঘন হাওয়ায় হাওয়ায় সন সন

সাপ থেলাবার বাঁশি ॥

সহসা তাই কোথা হতে কুলু কুলু কলস্রোতে

দিকে দিকে জলের ধারা ছুটেছে উল্লামি ॥

আজ দিগস্তে ঘন ঘন গভীর গুরু গুরু

ডমকরব হয়েছে ওই শুরু।

তাই শুনে আজ গগনতলে পলে পলে দলে দলে

অগ্নিবরন নাগ নাগিনী ছটেছে উদাসী ॥

১´ • । II { পা-। শমা হল | বা সান্-সা I <u>রা-</u>পা মহল -। |-। (মা-। I পুৰ সাগ বে র পা ব্ছ • তে• • • কোন্

- I মা-ামপা-ধা | -পমা-ণা ^গধা পা I ^গমা-পামজ্ঞা-া | -া -া -া -া) } I -া-1 I এ • ল • • • • • প র বা • সী • • • • • •
- I मा-। भाभा | भा-। -। -मा I मना ग्या ना था | थना -। ग्या -। म मृन्दन वा का ॰ ॰ ग्रू च॰ न च न टा॰ ও ग्राग्र्
- I धना-गणभा-ग| शर्भाभाभाभा I भा-ग शर्भार्भना | धा भा शर्भाना I हा । अह ज्ञाज्ञ प्रश्नम म न मा भू ८४० मा ताज्ञ वै। •
- I ণশা-ণা-ধা-পা | -পধা-পা-মা-পা II

- -1-1 II { ফাপাপা-না| না-নানা I নগা-গনাগা-| |-1-1-1 I • দুলা • ভাই কোথা হ • ভে • • • •
- I नीता विभागा ना । ना था ना था I ना था ना था। भिना -था पना (-था) } I -1 I क् न्क्न् क्न्क्न् कनकन व्या॰ उठ •
- I শ্মাপাপাপা | শ্মা-ণাণ্ধাপা I প্ধা-শ্মাপা-া | শ্মা-া পা -মা I দিকে দিকে জা ∘ লের ধা ∘ বা ∘ ছা ∘ টে ∘
- I পা -মা পা গা | গা া গা i II ছে • উ ল্লা • গি •
- [রা-1] -1 -1 II { সা-1 সা-1 | সা-1 শা-ণা I -ণ্রা-1 -1 -1 -1 -1 -1 -1 I • • আমাজ্দি • গন্তে • • • • • • •
- I (রারারারা | রা-ারমা মরা I মামামামামাম শাপাপাণা শা I ঘনঘন গণভী• বু ৩ ক ও ক ৩৬ ক ৩৬ ক
- I শমাপাপা-মা | -মণা-া শধাপা I শমাপাপণা-ধণা | শপা-া মারা) } I ডমক • • • ব ব হয়েছে• • • ও ই ভ ক
- I পলা -1 না -1 না
- I শপা ব ন | না | শি ব I শপা ব ন | না শি ব I প • লে • .প • লে • দ • লে • দ • লে •

ार्भक्ता-। नर्भा । वर्भा-ना नर्भा वर्भा । भी - ना ना ना । भा ना भा - ना भा - नी •

मानदा (12)

শাবাঢ়, কোথা হতে আজ পেলি ছাড়া।
মাঠের শেবে স্থামল বেশে ক্ষণেক দাঁড়া।
জয়ধ্বজা ওই-যে তোমার গগন জুড়ে
পুব হতে কোন্ পশ্চিমেতে যায় রে উড়ে,
গুরু গুরু ভেরী কারে দেয় যে সাড়া।
নাচের নেশা লাগল ভালের পাতায় পাতায়,
হাওয়ার দোলায় দোলায় শালের বনকে মাভায়।
আকাশ হতে আকাশে কার ছুটোছুটি,
বনে বনে মেঘের ছায়ায় লুটোপুটি—
ভরা নদীর চেউয়ে চেউয়ে কে দেয় নাড়া।

- II श्रिता र्ज्ञ । व्यक्ती व्यक्त -। I क्री -मी व्यक्ति । व्यक्ति -। I
- I ⁴রা শা-না | না শা ব I নদা ব পা | না শা 1 I গ গ ন্ জুড়ে ৽ পু• ব হ ডেকো ন্
- I নৰ্গা-1 পা | নাৰ্গা-1 I না-ৱাৰ্গা | ⁴নাৰ্গা(-ৰ্জা) } <u>I -</u>ণা <u>I</u> প• শ্চি মেতে ৽ যায়ুৱে উড়ে ৽ •
- I সা -া রা | রা রা -মা I -মা -পা -ধা | -গা -সা -পা II
 দে র্যে সাড়া • • •
- II (মাপা-া | পা পা -া I মা -গা: -গধ: | ধপা -া -া I নাচের নে শা ॰ লা ॰ ৽গ ল ॰ •
- I मा भा-ना | ना नी -1 I मना ईमी -1 | भा भी -1 I राष्ट्र शा द्वा ला ग्रामा लाद
- I ধা-। পা | ন্সা-।) } I -1 -1 -1 I {রার্1-র্রা | জরারা-ব

- I র্থা ⁴⁶ | রা গা | I গরা র্গা | না গা | I আৰু কা ত শেকার ছুটো ত ছুটি ত
- I नार्जा-भा | नार्जा-1 I र्गनार्जा-भा | नार्जा-1 I दन • दन • स्वयः इत्यास
- I र्म्झार्चभान|ना(भा-६का)} I र्मा-१गा पथा भानाना I नृतो ॰ भू हि ॰ हि ॰ ख जा ॰ न सी स्
- I ধা ণা | ধা পা | I সা সা -রা | রা রা <u>-</u>য়া I চেউ রে • চেউ রে • কে দে র্ না ছা •
- I मा भा धा | भा भा II II

शर माखा - हम्म (12)

ধরণীর গগনের মিলনের ছন্দে
বাদলবাতাস মাডে মালতীর গছে।
উৎসবসভা-মাঝে প্রাবণের বীণা বাজে,
শিহরে শ্রামল মাটি প্রাণের আনন্দে।
ছই কূল আকুলিয়া অধীর বিভজে
নাচন উঠিল জেগে নদীর তরকে।
কাঁপিছে বনের হিয়া বরষনে মুধ্রিয়া,
বিজলি ঋলিয়া ওঠে নবঘনমন্তে।

- र्ज ॰ र्ठ ॰ र्ठ ॰ II मी मी | ^मना था I भा मा | भा बा I ^बना मा | बा भा I ध व भी व भ भ न्य व मिल न्य व
- I का-भा | भका-। I গা-भा | भका-मशा I द्वाभा | भक्काभा I इ. स. १०० इ. स. १०० वाक नवा
- I পা-সা | -না-সনা I নধা-পধা | পা-ৱা I বাপা | ষাপা I ভা · • স্মা • ডে • মাল ভী ব
- I পথা-পা | মা-গা I রপা-রা | রপা-া II গ• নুধে • গ• নুধে• •
- II ना | नशा ना I नर्जा जी | जी जी दिनी -शा | । शा I के द न व न छ। याद्य छी ॰ ॰ य

- I ना | | श्री I श्रा ना | श्री नशा I श्री नशा I ला • • वा • •
- I नजा भा | भा भा I भा -1 | भा भा I भा -1 | भा -51 I ट्या॰ ८४ व च्या न न् ८४ च्या न न् ८४ ॰
- I मा | मा मा I म मा भा | भा चता I भा चता I म न व पर च्या न न व पर वा क न वा ∙
- I পৰ্সা-া | -লা-ৰ্পনা I ধৰ্সা ৰধা | পা-া I রাপা | মাপা I তা॰ ৽ ৽ ৽ শ্ মা॰ ৽ ৽ ডে ৽ মাল তীর
- I পধা -পা | মা -গা I রগা -রা | রপা -1 II গ লু ধে ৽ গ• লু ধে• •
- र्मा-ना | शा -नार्मार्गा | श्री श्री ना शा | भाभार इंद्र का के ना के किन स्थार

- I मा ना मा
- I -1 -1 | -1 -1 | পা পা | নধা না সি সা সা I

 • • কাঁপি ছে• ব নে র হি য়া
- I मना था | ना -1 I मा -1 | -1 ना I था ना | मा -ना I বর ३० নে ००० মুখ রি ०
- I मा मा मा मा मा ना ना ना ना ना ना ना मा ना मा
- I र्जार्जी | इर्जिमाना था | भाभामा | भाभामा I विकालियां लागा अर्थन विवास
- I मा 1 | मा 1 | भा का I भा का I भा का I यन् त्य ॰ यन् त्य वा क्या वा ॰
- I भर्भा-1 | -ना-र्शना I शा नशा | भा 1 द्वा भा | या भा |
- I পধা-পা | ষা-গা বিগা-বা | বণা -1 II II প ৰু ধে • গ• নু ধে• •

वांवचा (12)

কোন্ খেপা স্থাবৰ ছুটে এল আমিনেরি আভিনার। ছলিয়ে জটা ঘনঘটা পাগল হাওয়ার গান লে গায় ।

মাঠে মাঠে প্লক লাগে ছায়ানটের নুডারাগে.

শরৎ-রবির সোনার আলো উদাস হয়ে মিলিয়ে যার । কী কথা সে বলডে এল ভরা কেডের কানে কানে, ল্চিয়ে-পড়া কিসের কাঁচন উঠেছে আজ নবীন ধানে।

মেঘে অধীর আকাশ কেন

ভানা-মেলা গৰুড় যেন-

পথ-ভোলা এই পথিক এলে পথের বেদন আনল ধরায় ৷

I ধা-নার্গা⁹না-ধা-পাII পান্দে গা॰ য়

- II {পা পা -1 | পনা নধা -না I স্থা -1 | স্থা -1 -না I মাঠে ০ মা০ ঠে ০ পুল ক্লা ০ ০
- I শনা -1 ধা | পকা -ধপা -কপা I পনা -1 -1 | া -1 -1 } I নুত্ত রা৽ •• •• গে ৽ ৽ ৽ ৽
- I সমামা-1 | মা মা -1 I সমা মা -1 | মা -গা -পদা I শ - ব ৎ ব বি ব সোণনা ব আং ০ ০ ০
- I শপা -1 -1 | -1 -1 -1 I পর্গার্গা -1 | ^{গ্}রার্গা -1 I লো • • • • উ • দা সূহ য়ে •
- II { দা | দা | দমা মা | I দমা | মা | মা | | I কী ক থা দে ব ল্ডে এ •
- I মা 1 1 1 1 1 1 1 1 মা মা 1 মা 1 মা মা 1 ম

- I ধাধাধৰ্পা | ৰ্পধাপা I শক্ষা পা ক্ষা | ক্ষপা 1 ক্ষণা I লুটি য়ে ০ প ০ ড়া ০ কি সে বু কাঁ ০ ০ ০
- I পৰ্মা -া -া | -গধা -া -ণা I গধা পা -া | পক্ষা গপা -া I । দ৽ • • • • ন্উ ঠে • ছে• আমা জন্
- I { পা পা -1 | পনা নধা -না I সা সা -1 | সা -1 -না I মে বে ৽ অ ৽ ধী র আমাকাশ্কে ৽ •
- I ৰ্মণা -1 -1 -1 -1 -1 I ৰসা সা -ধনা | সা সা -1 I ন • • • • • ডানা • মেলা •
- I নানা-ধনা | ধপা-জা-ধপা I পমা -1 -1 | -1 -1 -1 | I গ্ৰুফ •ড়্যে ৽ • ৽ • • • •
- I সমা ব মা মা I মা মা I মা গা পমা I প থ ভো লা এ ই প থি ক্ এ • •
- I ⁴না -1 ধা | ⁴না ধণা -1 II II আমানুল ধুরা॰ য়ু

একতাল (1°)

दौर्याह कार्यात शुक्ह, स्योगता तौर्याह त्यकानियांना-নবীন ধানের মঞ্জবী দিয়ে সাঞ্জিয়ে এনেছি ভালা। এসো গো শারদলক্ষী, ভোমার শুল্র মেঘের রথে, निर्मन नीनश्रव. এসো এসো ধৌত শ্রামল আলো-ঝলমল বনগিরিপর্বতে-মুকুটে পরিয়া খেতশতদল শীতল-শিশির-ঢালা ॥ একো ঝরা মালতীর ফুলে আসন বিছানো নিভূত কুঞ্জে ভরা গঞ্চার কুলে ফিরিছে মহাল ভানা পাতিবারে তোমার চরণমূলে। গুঞ্জরতান তুলিয়ো তোমার দোনার বীণার তারে मुद्रम् सकाद्र, হাসি-ঢালা স্থর গলিয়া পড়িবে ক্ষণিক অঞ্ধারে। বৃহিয়া বৃহিয়া যে পরশম্পি ঝলকে অলককোণে পলকের ভরে সকরুণ করে বুলায়ো বুলায়ো মনে— দোনা হয়ে যাবে সকল ভাবনা, আধার হইবে আলা।

۱, िवना मा 91] या या मना मा शा - । शा मना ना II an বেঁ ছি কা চ্ছ ধে CH র 3 या यता मा शा - । भा । भा মা ধে ছি বেঁ কা C4 র গু ठ ह जा নাসা আলা নসা -পা -দা 1 গেঁ

- I नक्ताना | श्रीशिर्धा | र्नना -श्रीशिना | क्षीक्षा I न दीन क्षात्म द्वः य न् इत दी कि छाः
- I মপাপাপণা | গদাপামা | মগা-া-মা | মণা-া-দা I [] I
 সাজি য়ে৽ এনেছি ভা৽৽ লা৽৽
- -া-া-া II পদাদাদা | নার্সা | গ্র্মা -া আসা | গ্রামানা I - ০ ০ এ দোগো শার দ ল ক্থী ভোমার্
- I সা | শির্জা | আইবা সা সা | শনা সা না | নদা পা । I ভুভুজুমে ছের র থে ৽ এ সো ৽
- I र्गिना मा निष्या र्थमा । र्गना मा निष्या न नी न न भ था धारा •
- I শৰ্মা -1 ৰ্মা | শৰ্মা আৰ্থা | শ্লা শা না | নদাপাপমা I ধোউ ড ভা ম ল আনলোঝা লমল•
- I বা মা মা মা মা মা মা মা পা পা পা পা পা মা মুকুটে প বি য়া খে ত শ ত দ ল
- I निमा मा मर्चा | र्जार्जा ना | निमा । मा [] I नी उन निमित्र ए । ० ना ० ०

- -1 -1 -1 II { ना क्षा या | या या या | या शया शया | यशा -1 -1 I

- I পা দা না | নৰ্পা পা -1 | গনা পা না | দা দশা পমা I
 ফি বি ছে ম বা শ্ভানা পা ভি বা বে॰
- I মপা পা শিলা | দিলা দা পা | শমা 1 গপা | শমা 1 গা I
 তোমা র চণ্র ৭ মৃণ্ণণ লেণ্ণ
- I { गंजा गा भा | गंक्षा क्या 1 | जा ना ना | जा ना 1 I
 क न्छ द छ। न् जूनिया छ। मा द्
- I ना न्या | था था | था 1 न न | ना 1 1 I मा न द वी ना द छ। ॰ ॰ व ॰ ॰
- I সা ঝা গা | মা মা 1 | মা 1 গণা | শমা গা (ঝা) } I 1 I মূহু ম ধুকাঙ্কা • • • কো • •
- I পা দা দর্গা / র্গারণা-া | গনারণা না | দা পা পমা I হালি ঢা লাহে বু গলি য়া প ভি বে•

- I ৰপাপাপণা | ণদা-াপা | মা -গমা -পদা | মপা -া -া I
 ক্ষিকি আং শ্ঞা ধা • ৱে •
- I দা দা দা | নার্সা দা | শর্কা ঝা ঝা | স্না সা I ব হি য়া ব হি য়া যে প ব শ • ম ণি
- I সা স্থা | অৰ্থা খা সা | শ্না ব্ৰখা | ন্সা দা ব ঝলকে অলক কো ০০০ ৰে ০০
- I শ্রার্গার্শনার প্রার্গার্শনার বিদাপ প্রায় পুলকে রুড রে সুকুর পুকরে
- I ^{প্}ণা ^{প্}দা পা | ^{প্}ণা ^{প্}দা পা | ^{প্}মা -গ্না | দ্পা -া -া I বুলা য়ো বুলা য়ো ম ০০ ০০ নে ০০
- I শদাদা দ্র্রা | বর্লা -া না | নপা -া -দা | না -া -সা II [] II আঁধার হইবে আ ০০ লা০০

তেওরা (1°)

শরতে আজ কোন্ অতিথি এল প্রাণের বারে।
আনন্দগান গা রে হাদয়, আনন্দগান গা রে ॥
নীল আকাশের নীরব কথা দিশির-ভেজা ব্যাকুলতা
বেজে উঠুক আজি তোমার বীণার তারে তারে ॥
শক্তক্ষেতের সোনার গানে যোগ দে রে আজ সমান তানে,
ভাসিয়ে দে হার ভরা নদীর অমল জলধারে।
যে এসেছে তাহার ম্থে দেখ্ রে চেয়ে গভীর হথে,
হয়ার খুলে তাহার সাথে বাহির হয়ে যা রে॥

I মাপা-1|পা-1|^{পধা}-মা I পা-1-ধা|না-1|(-র্দা-র্মা)} I -1 -1 I এল ০ প্রা ০ বে বা বা ০ ০ বে ০ ০ ০ ০

I र्जार्जा-र्ब्जा वर्ष्या-। र्जा-र्ब्बर्जा I वर्जा-र्ब्बा वर्ष्या | र्जा-ना ा प्यानन् प० शा∘न् शा∘ द्व क्व∘ पृत्र्

I नाना-जी|जी-ग|जी-र्जजी I मना-भा-धा|ना-ग|-जी II ज्यान नुम ॰ भा ॰ नु भा ॰ ॰ दा ॰ ॰ ॰

- I নগাপা-না|পা-|র্রা-জর্বা I বঁপাপা-রা| বঁপা-া|না(-প্না)} I -া I শিলির ডে॰ জা৽৽ ব্যাকু ৽ ল৽ ডা ৽৽
- I পদাৰ্দা-া|শা-ন|শা-না I দাৰ্দা-জ্ঞা| জ্বা-া|বা-জ্ঞবা I বে∘্জে ৽ উ ৽ ঠু ক্ আলি ৽ তো ৽ মা ৽ব্
- I র্কাশা-রা | র্কা-1 | না-ধা I পা-1 -ধা | না-1 | -দা-রা II বীণার তা॰ রে ৽ ডা ৽ ৫ ব • ৽ ৽
- II সা-াসা | রা-া | রা-গা I মাপা-ধপা | পমা-পা|গা-মা I শ স্স কে ৽ তের সোনা ∘র গা ∘ নে ৽
- I মা-পাপা)পা-|পা-ধা I ধা না-|ধনা-ধা|পা-ধা I যোগ্দে রে • আম জ্স মান্ ভা • নে •
- I ধার্সার্সা-া|সা-না|সার্সা-জল|জর্লা-া|রা-জর্গা I ভাসি য়ে দে ৽ হ রু ভ রা ৽ ন ৽ দী ৽র্
- I {ধনা-সা ^সনা | ধনা-ধা|পা-ধাI ধানা-||না-||না-|| I যে• • এ সে • ছে • ভাহার মু • খে •
- I শা-সা²না|সা-|র্ন-জর্বার জরি সা-রা|র্জা-| না-|}। দে ধ্রে চে ৹ য়ে ৹ গভীর হা ৹ থে ৹

- I পৰা ৰা -1 | ৰ্মা-1 | ৰা-কৰা I ৰাৰা ৰিলা I কৰা -1 | ৰা-কৰা I ছ॰ য়াৰু খু • লে • ডাহাৰ সা • খে • •
- I রুপার্পা-রা | রুপা-। | না -ধপাঁ I পা । -ধা | না । | -র্গা II II
 বাহি র হ ॰ য়ে ৽ ৽ যা ৽ ৽ রে ৽ •

मामता (1°)

হিমের রাতে ওই গগনের দীপগুলিরে
হেমস্তিকা করল গোপন আঁচল ঘিরে ।
ঘরে ঘরে ডাক পাঠালো— 'দীপালিকায় জালাও আলো,
জালাও আলো, আপন আলো, সাজাও আলোয় ধরিত্রীরে ।'
শৃত্য এখন ফুলের বাগান, দোয়েল কোকিল গাহে না গান,
কাশ ঝরে যায় নদীর তীরে ।

যাক অবসাদ বিষাদ কালো, দীপালিকায় জালাও আলো—
জালাও আলো, আপন আলো, শুনাও আলোর জয়বাণীরে ।
দেবতারা আজ আছে চেয়ে— জাগো ধরার ছেলে মেয়ে,
আলোয় জাগাও যামিনীরে ।
এল আঁধার, দিন ফুরালো, দীপালিকায় জালাও আলো,
জালাও আলো, আপন আলো, জয় করো এই তামদীরে ॥

II সারা ना | ना ना - 1 ना - ना | ना ना - मा হি বা তে ॰ ও इ 51 I বগা-বাগা গা গা -পা I শগা পমা -া । গা বদা -না I দী• প্তঃ नि द्र ম০ ন ছে - ' 해 | ম প - ' I 저 자해 - ' I ম 어 - ' I **Б॰ म घि दि** গোপ ন আঁ ৰু ল

বি রে॰ • বি রে• •

I শগা পমা - | গা রসা -না II

- II र्भ -र्भ । र्वर्भ र्दा न । र्भ र्भ । र्भ भ । र्भ । र
- I मैना ना -र्ज़ा | भी भी -ा I मैना धा -भी | ना धणा -ा I भी भा ∘ निका ग्र्इं इस ना ७ इस ना ०
- I পৰ্লাৰ্শণা-| ধাপা-ধপা I ^পগাপমা-| ^মগা রদা-ন্ II সা৹ জাণ ও আমালো ৽য়্ ধরি৽ ৽ আী রে৽ ৽
- II जा शा शा शा शा शा शा शा ज्ञा । शा
- I ধপা -1 -1 | -1 -1 -1 মা মা -1 | মা মা -1 I
 গা ০ ০ ০ ০ দোয়ে লুকোকি লু
- I মা মা -গা | গ্রা ৷ -গমা I মগা ৷ ৷ ৷ ৷ ৷ ৷
 গা হে ৽ না ৽ ৽ ৽ গা ৽ ৽ ৽ ৽ ন্
- I সা | সা | সগা গা | I | | গা | গমা মা | I কা শুঝা রে • যা • • যুঝা রে • যা •
- I -1 -1 মা | মপা পা -1 I ^পমা গা -রা | রমা ^মগা -1 I • ষ্কা বে• যায়্ন দী ব্ তী• বে •

- I नी-र्जा की | की की -1 I नी नी -1 | नी नी -1 I या कृष्य व ना मृतियाम् काला •
- I ⁴নানা-রা | র্পা সা -া I ⁴না ধা -সা | ⁴না ধণা -া I দীপা • লিকায় জালা ও জ্বালো• •
- I পৰ্সা পা । | শিলা ধপা । I পৰ্সা পা । | শিলা ধপা । I জলা পা ল আমালো ৷
- I शर्जा र्गना । धा शा । I र्गा-शार्या । गात्रज्ञा न् II
- II जा भा भा भा भा । भा भा जा I भा भा जा I पा ज्ञा पा क् जा हि हि छ •
- I পা কা না ধপা া া া া া মা মা গা [
 জা ০ ০ গো০ ০ ০ ০ ০ ধ রা রু
- I পরারা-মা | মা মগা-মা I মরা-া-গমা | মগা-া-া [ছেলে ∘ মে য়ে ∘ জা ∘ ∘ ∘ গো ∘ ∘
- I গামা-গা | ^গরা -া: -গম: I মগা -া -া | -া -া -া I আমালোয় আলা ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽
- I গা গা -বা | সন্ -া -া I সা -া -া | -গা -া: -মপ: [যামি ৽ নী৽ ৽ বে ৽ ৽ ৽ ৽ ৽

- I গণা^পমা-গা | ^গরা-া: -গম: I মগা -1 -1 | -1 -1 -1 I আমা• লোয় জন • • • গা • • • • ও
- I की की -ती | र्गर्जी की -1 I की -1 की | की की -1 I এ न ॰ ची थी वृ कि नुक् की ली •
- I मैना ना -र्जा | अर्था मी -। I मैना था -मी | ना थमा -। I मी भा ॰ जिका ग्रु क्वाला ७ व्याला ॰
- I পৰ্সা ৰ্মান বা I পৰা ৰা বা I ৰা ধৰা বা I জাণ লাও আলোণ প আপে নুআলোণ প
- I পা-সার্গা ধারণা-ধণা I প্রাপমা-া | গারদা-ন্ IIII জং যুক রো এ ০ ই ভাম ০ ০ সীরে •

मानदा (10)

এল যে শীতের বেলা বরষ-পরে।

এবার ফসল কাটো, লও গো ঘরে।

করো ঘরা, করো ঘরা,

কাল আছে মাঠ-ভরা—

দেখিতে দেখিতে দিন আধার করে।

বাহিরে কাজের পালা হইবে সারা

আকাশে উঠিবে যবে সন্ধ্যাতারা—

আসন আপন হাতে পেতে রেখো আভিনাতে

যে সাথি আদিবে রাতে তাহারি তরে।

১´ • ১´ • # •
II {গামাগা | বাসাবা I গাগা (-বা | -বপা -1 -ফ্লা)} I -1 | -1 -1 -1 I
এল্যে শীভের বেলা • •••• • • • • • •

I গা পা পা | পকা ধপা -কা I গামাগা | রাসারা I ব র ষ প • রে • এ ল যে শীতে র

I গা গা - 1 | - 1 গা গা I গপাপা- 1 | পদ্ধাপা- 1 I বেলা ৽ ৽ এবার্ফ ৽ সৃষ্কাটো ৽

- I পা-পাপা | নাধা-া I পনানা-ধা | -পা-া-া} I কা জ্জা ছেমাঠ্ভ∘রা৽ •••
- I পানানা | নধাপাক্ষা I গা-া-া | -া না I দেখিতে দেখিতে দি ॰ ॰ ॰ ন্
- I সং গা-া | গ্রামা-রাII আঁণ ধারু করে •
- -া-া-া II সাঝাঝা | ঝাঝা-া I ঝাসা-ধ্া | -সা-া-া I
 ০০০ বাহি রে কাজের পালা ০০০০
 - I সা-ঋাঋা | ঋাসা-া I সপাপাপা | পাপাপজা I হ ই বে সারা • আমা• কাশে উঠিবে•
 - I পাদা-1 | -কা-1 -1 I গা-মামা | মা গা -1 I যবে • • • • স ন্ধা ভারা •
 - I পাপা-গা | পাপা-ধা I ধৰ্মাৰ্মা-া I আমাৰ আপেৰ হাণতে • শেতে •
 - I সাসা-না | ধাধা-পনা I ধনাধপা-া | -ক্ষা-গা-া I রেখো॰ আঙি ৽৽ নাণ্ডে৽৽ ৽ ৽

I গাণনানা | নধাপাহ্মা I গ্মা মগানা | নানা I যে সাংখি আঘাসি বে রাংডে ৷ ৷ ৷ ৷

I সগাগাগা | গ্রাসা-রাIIII তা॰ হারি তরে •

मानवा (12)

ভোমার বাদ কোথা যে পথিক ওগো, দেশে কি বিদেশে।

তুমি হৃদয়-পূর্ণ-করা ওগো, তুমিই দর্বনেশে।

'আমার বাদ কোথা যে জান না কি,
ভথাতে হয় দে কথা কি
ও মাধবী, ও মালতী!'

হয়তো জানি, হয়তো জানি, হয়তো জানি নে,
মোদের ব'লে দেবে কে দে।

মনে করি, আমার তুমি, বৃঝি নও আমার।
বলো বলো, বলো পথিক, বলো তুমি কার।
'আমি তারি যে আমারে যেমনি দেখে চিনতে পারে,
ও মাধবী, ও মালতী!'

হয়তো চিনি, হয়তো চিনি, হয়তো চিনি নে,
মোদের ব'লে দেবে কে দে।

• ১´ • ১´ ॥ • সাসা-1 II {রা-মামা|মামা-পা I পাপা-া | (পাপা-ধা I তোমার্বাস্কোধাযে • পৰিক্ ও গো •

I খমাপা-||পধা-ণাখধা I খপা^পমা-গা | গ্রাসা-।)}I-াণাণা I দেশে ∘ কি • বি দেশে • তোমার • ভূমি

I गक्षा ना - 1 | गक्षा - 1 । गक्षा ना - 1 । गक्षा

I ণরার্গি-া | শ্রমা-াণা I ধাশা-ধপা | মগারা-সাII তু॰ মি ই সর্ব নেশে ॰ ° ভো॰ মার্"

- নানা II না না না না না সা না সা না সা না সা না কি না কি -

- I শধা -1 ণা | ^୩ধা ণা -1 I ^୩ধা -1 ণা | ^୩ধা ণা -1 I হ য়ুতো জানি • হ য়ুতো জানি •
- I ধলা -সাঁ সাঁ | গণাসলা-ধা I শপা-া-া | পা পা -ধা I হ• যুডো জানি• • নে•• মোদে বু
- I শমাপা-1 | পণাণা-ধা I ধপা -1 মা | মগা রসা -1 II বলে • দে বে • কে • সে "ভো মা • ব্"
- I সারা-মা | মা: -গপ: শমা I পা -া -া | -া -া -া -া I
 বুকি ৽ ন ৽ও আন মা ৽ ৽ ৽ বু
- I ग्या ना । ग्या ना । । ग्या ना । । ग्या ना या व व ला ॰ व ला ॰ व ॰ ला ॰ भ थि क

- I না না | না না | I না | সা | ^পনা সা | I আমি • তারি • যে • আমারে •
- I ⁴না -রারণা | ধাপা-মা I পা-রারণ | রার্রি-র্জো I যে মৃনি দেখে ∘ চিন্তে পারে ∘
- I আহ্বা-মার্মজা | রার্মা-া I র্মা-নানা | নার্মা-া I ও ০ মা ধ বী ০ ৩০ ০ মা লভী ০
- I শ্বা 1 ণ শা 1 ণ শা 1 ণ শা 1 । শ্বা 1 । শ্ব
- I ধণা -সা সা | শণা ণা -ধা I ধণা -া -া | শা পা -ধা I হণ যুতো চি নি নে• মোদে বু
- I শমাপা-া | পণাণা-ধা I শপা-ামা | মগা রসা-া II II বলে ∘ দে∘বে ∘ কে ∘সে "তো মা• স্থ্"

कांक्या (10)

ও আমার চাঁদের আলো, আজ ফাগুনের সন্ধাকালে
ধরা দিয়েছ যে আমার পাতার পাতার ভালে ভালে ।
বে গান ভোমার হরের ধারার বস্তা আগার ভারার ভারার
মোর আভিনার বাজল সে হুর আমার প্রাণের ভালে ভালে ।
সব কুঁড়ি মোর ফুটে ওঠে ভোমার হাসির ইশারাতে ।
ভাষান-হাওয়া দিশাহারা আমার ফুলের গভে মাতে ।
ভাষা, তুমি করলে বিলোল আমার প্রাণে রভের হিলোল—
মর্মরিত মর্ম আমার জড়ায় ভোমার হাসির জালে ।

- II नी नी | नी नी नी मा निर्मा मा नी I निर्मा मा नी I स्था में एक मा ब्राइट स्था मा स्था में स्था में
- I नशान ना | नशाशान्ता I ननान ना | ननान I द ॰ न् ना आजा ॰ গা ॰ ॰ ॰ व्रू
- I নানসা-শনা ! শধানা-ধা I খপাধা-পা | শহা পা -হা I তারা॰ য় তারায় হারে বু ধারায়
- I {মা -পা পা ! পা পধা -মা I পা -া -ধা | পা -া -ধা I
 মোর্ আন ভিনা॰ য়্বা ৽ জন্ল •
- I र्मा । मना । सना ना । मना ना । य
- I ষা পা | পনা না I I [] I তালে • তা•লে •
- II अत् -। भंशा शा शा ना I श्रा शा -यशा | वा मा -वा I म व्कूँ फ़िस्साब् क्ट्रिंड ॰ ॰ ७ र्दं ॰

- I সা গা | সা গা | সা গা | গা মা | I ভোমার হাসি রু ই শা ॰ রাভে •
- I का भा -1 | भा -1 -1 I भा -1 -1 -1 -1 -1 I का थि न् हा ॰ ও क्षा ॰ ॰ ॰ ॰
- I { बंधा बा । धा बा । । वर्जा र्यवा । वा । धा । कि मा ॰ हा दा ॰ कि वि न् हा ॰ ও
- I পা -1 -ধা | শপা মগা -রগা I মা -1 -1 -1 -1 -1 I গ • ন্ধে মা• • ডে • • • •
- I र्गा-1 र्गा | र्गर्जा र्गा-र्जा I र्गना-र्जार्ग | र्गना क्षा ना I
- I भा भा ना | नधा नः नर्जः I र्गना न न | न न न न ा ा खा मा द स्था ॰ • • • • •
- I মগাগা-মা | মরা-া-গমা I মগা -া -া -া -মা I আনুষ্পা কা বি প্রাক্তিক বি ০ ০ ০ ০ ০

- I {মা-পাপা | পা পা -মা I মপা -1 -ধা | ধণা -1 -ধা I ম রুম রি ড ০ ম ০ বু ম ০ ০
- I थश 1 थश वा वश [शा 1 1 | (शा शा गा) } I 1 1 1 I
- I পৰ্সা -1 শৰা | শধা পা -1 I সা সা -1 | সৰ্কা কা -1 I ম বুম আলু মাবু আলু ড়ায়ু তোও মাবু

काशंत्रवा (12)

ভবে আয় বে তবে, মাত্ বে সবে আনন্দে আজ নবীন প্রাণের বসস্তে।
পিছন-পানের বাঁধন হতে
চল্ ছুটে আজ বক্সাম্রোতে,
আপনাকে আজ দখিন হাওয়ায়
ছড়িয়ে দে রে দিগস্তে
আজ নবীন প্রাণের বসস্তে।
অক্ল প্রাণের সাগর-তীরে
ভয় কী রে তোর ক্ম-ক্ষতিরে।
যা আছে রে সব নিয়ে তোর
ঝাঁপ দিয়ে পড়্ অনস্তে,
আজ নবান প্রাণের বসস্তে।

I ना-त्री विभी - | - शा-शाशा I शा-शी शी - ना | विभी - । शास् भा ख्दा॰ ॰ ॰ शद चा॰ न न् दि ॰ चाइन्

-भा भा-धाधाना I ना-भी-|ना-बीर्यभा-ा I ना-मामा-|मा-भा भा धा न ॰ दीन् स्था॰ लब् व ॰ नन् एड ० "७ दि"

- I সাঁ-ধা-রারা|রা-সাসা-া I না-সানসা-রা|সা-ণাধা(-া)} I -না I চ • স্ছুটে • আ জব্ব ন্না• • আলা • তে •
- I नी-भी-भी-भी-की की-1 I की-भी भी-भी भी-की की-1 I था॰ প্নাকে • थांक् क ∘ थि न हा ७ शा श्
- I রামা⁴জ্ঞা-া ⁴⁶রা-াসা-না I ধা-সাসা-না|সা-াধা-না I ছড়িয়ে ॰ দে ৽রে ৽ দি ৽ গ ন্ডে • আমাজ
- -পা পা-ধাধানা I ना-र्गा-ना-र्जाक्षी-ा I ना-मामा-ा | मा-भाभाधाII न ॰ दीन् व्या ॰ १५ दु व ॰ न न् ए७ ॰ "ও द्व"
- -1-1-1-1 II { সা-মামা-| মা-মা-পা I পা-সা-| সা| শণা-| ধা-| I ০০০০ বাঁ০ধন্য ০ত ০ ছি ০ন্ন ক থয়াণ
- I धा-नाशधा-ना|ना-। बा-। बार्ज्जा-ना|ना-धाधा-शा I च्या • न∘ न् स्म • च्या च्या • न • वी न् ट्या • स्म द्
- I পা-মামগা-পা | মজ্জা-1-1-1 } I {ধা-1ধা-1ধা-1ধা-না I ব স ন ডে • আন কুলু প্রো ণে বু
- I না-1 পা-1 | র্কা-নাপা-1 I পা-ধা-রারা|রা-পাপা-1 I লা•পর্তী• ০ রে ৽ ভ • যুকী রে • তোর্

- I নৰ্সা-না-রার্সা| ^বণা-|ধা(-া)} I -না I সা-|-মামা|মা-র্জার্জা-| I
 ক • যুক্ষ ডি রে যা • আন ছে রে •
- I ৰ্জা-1 -পা পা | মা -1 ৰ্জা-1 I ৰ্জা-রা-মাৰ্জা|রা-1 শা -ণা I শ ॰ ব্নি য়ে ৽ তোর্ ঝাঁ ॰ প্দি য়ে ৽ প ড্
- I ধা-পাৰ্সা-না|পা-াধা-না I না-াপা-া|না-রাপা -া I আহ ৽ ন নৃতে ৽ আমাজ্ন ৽ বীন্প্রা৽ ণে যু

-পা পা -ধা ধানা I সা -মামা - |মা -পা পা ধা II II ব ॰ স নৃতে ৽ "ও রে"

বিশ্বস্ত ছই-সার হুরের মধ্যে উপরেরটি বিকল্পে গাওয়া যেতে পারে

कांशंद्रवा (1°)

কালের মন্দিরা যে সদাই বাজে ভাইনে বাঁয়ে হুই হাতে,
স্থপ্তি ছুটে নৃত্য উঠে নিত্য নৃতন সংঘাতে ।
বাজে ফুলে, বাজে কাঁটায়, আলোছায়ার জোয়ার-ভাঁটায়,
প্রাণের মাঝে ওই-যে বাজে হঃথে স্থথে শঙ্কাতে ।
তালে তালে সাঁঝ-সকালে রূপ-সাগরে তেউ লাগে ।
সাদা-কালোর ঘদ্ধে যে ওই ছন্দে নানান্ রঙ জাগে ।
এই তালে তোর গান বেঁধে নে— কান্নাহাসির তান সেধে নে,
ভাক দিল শোনু মরণ বাঁচন নাচন-সভার ভঙ্কাতে ॥

- II { সাৰ্মনা । ধা পা সনা গা-রা I সা সা ৷ রা র গা-া ৷ পা I তুই হা ০ তে কা ০ লে ব্ মন্দি ০ রা যে ০০ ০
- I পগারগা-ারা|সা-া-া-iI(গপাপা-াণক্ষা|পা-া-<u>1</u>-5πা)} I স্লা•ই বা জে ৽ ৽ ৽ ডাই নে ৽ বাঁ যে • ৽ ৽
- I পাধা-সাসা|সা-া-বা I রসাসা-গার্শরা | রসা-া-া-া I অপ্তি ত টে ০০ ০ বং ড ড ঠে ০০ ০
- I প্র্নান্যা বিধানানা I বিধা-প্রাপ্নানানা II নিত্ত ∘ নৃত ৽ ৽ নৃ সুঙ্ঘা• ৽ তে ৽ ৽ ৽
- II পা পা জ্বপাণগা|পা-জা-ধা-পা I পৰ্সাসা-াৰ্সনা|র্সনা-া-া-া I বাজে ০০ ফুলে ০০ ০ বাণজে ০কা টাণ ০ গু

- I সার্বা-বিনা । র্পা-বা-বা-বা I র্কারা-সাসা। গ্লা-1-ধা-নধা I আমালা । ছা য়া ০ ০ বু জোণ্যা বুডাঁ টা ০ ০ য়
- I শপাধা-াধরা। র্কা-া-া-া I শনা-রার্কা-া । শনা -াধা নধা I প্রাণে রুমাণ ঝোণ্ড ও ই যে গুবা তজ্ঞ
- I পা-1 পনা-1 | নধা-1 না-ধা I ধপা-ধানা-ধা | ধপা-1 -1 -1 I ছ ক্ৰে॰ ৽ হং ৽ থে ৽ শ ড্কা ৽ তে • • •
- I পধা ⁴পা -ামা | ⁴গা -া না রা I রগা -া রা গরা | ^রদা -া -া -া II নিত্ত ∘ ন্ত ∘ ∘ ন্স ৽ ঙ্ঘা ৽৽ তে • ∘ ∘
- II প্সাসা-াসা| সা-া-া-রা I গাগা-ারা | রসা-া-া-রা I তা॰ লে ৽ তা লে ৽ ৽ ৽ শীকা্স ৽ কা লে ৽ ৽ ৽
- I গাগা-পাপা | গ্ৰাম্বা-গাI দা-রাগা-া -া-া-া [
 কপ্সা ∘ গ রে ৹ চে উ লা ৹ গে ৹ ৹৹৹
- I সপাপা-া^পকা|ধপা-া-া-া I পা-নানা-া | নধা-নধাধপা-া I সা॰দা ৽ কা লো৽ ৽ ৽ ব্ ছ ন্ছে ৽ থে ৽ ৽ ও ই
- I शनाना-1 ना | धा-ना नशा-धा I बशा-वाशा-1 | -1 -1 वा शा I इन्दिक लानान् द ६ इता ० ८१० ००००

- I স্পাপা-1 পা| গপা-1 -1 -ধা I ধর্মার্মা-1 র্কা-1 -1 -1 I এই তা ৽ লে তো৽ ৽ ব্বু গান্ বেঁ ৽ ধে৽ নে ৽ ৽ ৽
- I ^নপাধা-াধরা| র্জা-া-া-া I না-র্রার্জা-া| শ্না-াধা-নধা I ডাক্দি ∘ ল∘ শো••ন্ম ৽ র ণ্বা•চ ∘ন্
- I শপা-।পা-না| শধা-।না-ধা I শপা-ধানা-ধা| শপা-া-া-। I না∘চন্দ ভোর ডেঙ্কা • ডে॰••
- I পধা শপা-ামা | শগা-া-সা-রা I রগা-া গরা-গরা | রসা-া-া-া II II
 নিত ত ∘ নৃত • নৃস৽ ভূছা • তে • •

२।८ माखा- इन्म (1°)

আমরা ন্তন যৌবনেরই মৃত।
আমরা চঞ্চল, আমরা অভুত।
আমরা বেড়া ভাঙি,
আমরা অশোকবনের রাঙা নেশায় রাঙি।
বঞ্চার বন্ধন ছিল্ল করে দিই— আমরা বিহাং।
আমরা করি ভুল—
অগাধ জলে বাঁপ দিয়ে যুঝিয়ে পাই কৃল।
যেথানে ডাক পড়ে জীবন-মরণ-ঝড়ে
আমরা প্রস্তুত।

II शा - मा | - भा - धा - शा - गा I नर्मा - | - 1 - 1 - भा - 1 I ৽ ৽ ৽ মৃ রা M I भा - था | ना - जी भी - । I ना - था | भा - मा ना - जना I नु॰ छन्यों ॰ व ॰ नि॰ वि ॰ 3 ত্ मृ ম রা • 5 I मा -1 | 1 1 1 1 I मा -1 | भा -1 मा Б আ ম্ রা I 41 -1 | 1 1 1 1 II ভূ ত্

- II { পমা -1 | মা -ধা ধা -না I না -1 | না -1 সি -1 I
 আনাম্রা ০ বে ০ ড়া ০ ডা ০ ডি ০
- I ণা -রা | র্পা -1 ণা -ধা I স্বা গা -1 } I রা ° ঙা ৽ নে ৽ শা ম্বা • ঙি •
- I ना -क्री । की -1 ना -1 I शा -1 | ना -1 I य न्या॰ द ॰ दन्ध॰ न ॰
- I গা -1 | রদা -1 রা -1 I গা -1 | -1 মা মা -1 I ছিন্ন • ক ৽ রে • ৽ দি ই •

- I का -1 | भा -1 का -1 I भा -1 | 1 1 1 1 III च्या क्वा • च्या च्या
- II {मा | मा | दा | ा भा | ना | ना | ना मा वा ॰ क ॰ वि ॰ छू ॰ ॰ मा

- I মা -1 | शा -1 श
- I ধা_-গা | ণা -ধা -পা -া I পধা -া | পা -া মা -া I পা ই কু • • স্মা• ম্রা•ক •
- I গা -রগা | মা -1 -1 -1 } I {মা -1 | মা -ধা ধা না I
 রি ভু • ল্ যে খা নে •
- I ना । ना । भी । ना I षाक् भ • ए • षी • व ॰ नूम
- I र्बर्मा-। शा-शाना-शा} I शा-इति | र्मा-। शा-। I त्र व सा ० एक् ० प्या म् ता ० ४८ म्

- I 위 -1 | 1 1 1 1 II II 몇 명

कांशंत्रवा (12)

ওই বন্ধার বাহারে বাহার ভেরী, বাহাল ভেরী।
কথন আমার খুলবে হুয়ার— নাইকো দেরি, নাইকো দেরি ।
তোমার তো নয় ঘরের মেলা, কোণের খেলা গো—
ভোমার সঙ্গে বিষম রক্ষে হুগুও ফ্রেরাফেরি ।
মরণ ভোমার পারের ভরী, কাদন ভোমার পালের হাওয়া—
ভোমার বীণা বাহার প্রাণে বেরিয়ে যাওয়া, হারিয়ে যাওয়া।
ভাঙল যাহা পড়ল ধুলায় যাক্-না চুলায় গো—
ভরল যা তাই দেখ-না, রে ভাই, বাতাস ঘেরি, আকাশ ঘেরি ।

I ধপা-াধা-রা | রশা-া-া-া I গা-া-া রা | রগা-াপা-া I কাঙ্কা ৽ রে • ৽ • বা ॰ **ছ**্ল ভে •রী •

I পগা-া-ারা | ^রন্া-রাসা-া I সা-ারা-া|গা-াগা-া I বা • জ্ল ভে • রী • ক • খন্**জা** • মার্

I शा-भा-। भा । भा-। भा । पा-का-धाधाधा-। धा । ध् • मृत्य वृ • शाद् ना • हेत्का क् • वि •

I ধা-পা-নানা | না-ানা-া II না • ইকো দে • রি •

- II সা-ারা-া | গা-পাপা-া I পা-ধাধা-সা | সা-াসা-রা I তো•মার্ ডো ৽ নয় ব • রে র মে • লা •
- I বর্সা-রাশ্রা-সা | সা-া প্রা-সা I বর্সা-া-া-া-া-া-া I কো ৽ ৭ে ৽ ব্থে ৽ লা ৽ গো ৽ ৽ • ৽ ৽ ৽
- I ৰ্পনি ন গানা | গ্ৰনি ন ন ৰা I ন ৰা ন ন ন ন ন ৰা I ভো∘ নাৰু স ৽ ঙ্গে বি ৽ ষ ম ব ৽ ঙ্গে
- I শধা া পা 1 | 1 1 ধা পা I শধা 1 পা 1 | ধা পা ধা -র্রা II জা ৽ গ ৽ ৽ ৎ জুড়ে ফে ৽ রা ৽ ফে ৽ রি ৽
- I পিশা-1 পা-1 পা-1 রা-1 I রা-1 সা-1 | পিরা-1 সা-1 I কাঁণ দন্তো•মার্ পা•লের্ হাও ৽ য়া •
- I সা-পাপা-|পা-াপা-া I পকা-।পা-| শধা-।পা-| I তো • মার্বী ৽ণা • বা ৽ জায়্ প্রা • বে •
- I শর্মার্মানা | র্মানার্মানার | র্মানার্মানার | রানার্মানার | বিরিষ্ঠ মাওয়া
 বেরিয়ে
 যাওয়া
 হারিয়ে
 মাওয়া
 হ
- I भा-ा-शाशा|भा-ाधा-ा I धर्मा-ा-ार्जा | क्रमा-ार्जा-ा II चा॰ ७ ल घा॰ ३।० भ • फ्ल धू॰ लाब्

- I সা-গা-াগা | গ্রা-াসা-া I শ্রা-া-া । শ্রা-াধা-পা I ভ • র ল যা • ভাই দে • খুনা রে • ভাই
- I পধা | পা | | | | ধা পা I । শধা | পা | | | ধা পা II II বা • ভা • • স্মেরি আমা • কা • • শ্মেরি

কাহারবা (1°)

ভাঙে। বাঁধ ভেঙে দাও, বাঁধ ভেঙে দাও, বাঁধ ভেঙে দাও
বন্দী প্রাণ মন হোক উধাও ॥
ভকনো গাঙে আফ্রক
ভীবনের বস্থার উদ্দাম কোতৃক—
ভাঙনের জন্যান গাও ।
জীর্ণ পুরাতন যাক ভেদে যাক,
যাক ভেদে যাক, যাক ভেদে যাক ।
আমরা ভনেছি ওই মাজৈ: মাজৈ: মাভি:
কোন্ নৃতনেরই ডাক ।
ভত্ন করি না অজানারে,
কৃষ্ণ তাহারি ধারে তুর্দাড় বেগে ধাও ॥

- া শর্সা-ার্গা শর্সা-া-া-া া পা-মা-পা-ধা|-না-র্পা-র্পা-রি হোক্উ ৽ ধা ৽ও ৽ ছা ৽ ৽ ৽ • • •
- I -र्जा-1-1 | 1 | 1 | मिना-1 मा | नमा-1 ना-1 | विकास विकास
- I না-া-ানা | ধনা-াধা-া I পধা-া-- । যা | পধা-া-পা-া I বাঁ ং গুডে ডে • দাও বাঁ • ধডে ডে • দাও
- I গা-মা-পা-ধা | -না-পা-রা-র্গা I র্কো-া-া-া|াাা I ভা ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৫৩ ৷ ৽ ৽
- I কৰ্মা-াৰ্মা-াৰ্মা-াৰ্মা-াৰ্মা-াৰ্মা I শুক্নো • গা • ডে • আমা • হুক্
- I र्गा गैनी नी नी निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा कि विद्या विद्या विद्या कि विद्य कि विद्या कि वि
- I ৰ্ফা-া গা-া | গা-া রা-া I রা-া বা-া I I ভ ক্নো ∘ গা ∘ ভে ∘ আন ∘ হক্
- I গাগাগাগা | রারারা-া I শা-া-া-া I ভাঙনের জয়গানু গা॰ • ৩ • •
- I ती दी ती ती भी भी भी नी निन्न ने ने निन्न ने I खाड़ दिंद क क्ष की मू भा • • •

- I नानानाना | शाश्रामा । शानानाना | नानाना । ष्टा अपनाना । शाश्रामा । शाक्षा । शाक्षा । शाक्षा । शाक्षा । शाक्ष
- I { সপা 1 পা পা | মপা 1 পা পা I গপা 1 পা পা | গপা 1 1 1 I জী ব্ৰ প্রা ড ন যাক্ভে সে যাক্
- I গণা-1 পাপা | সপা-1 1 I গণা-1 পাপা | গপা-1 11 } I যাকভেসে যাক্ যাক্ভেসে যাক্
- I {গাঁ গাঁগা | গাঁ গাঁ । গাঁ - । । - গাঁ I
 আমাম্রাভ নে ছি ঐ • • মা
- I ৰ্ণা -1 ৰ্গা -1 ৰ্যা -1 বা -1 -1 -1 -1 1 1 কো ন্ৰুড নে বি ডা • ক্
- I গণা-1 পাপা | পা-1 পাপা I স্থাপা-1 | 1111 I ভয়ক বি না • আ জা না • রে •
- I না-ানানা | খনা-াধা-া I পধা-া খপা-া | াা়া I ক ছ ধ ডা হা ৽ রি ছা ৽ রে •
- I र्गान र्गार्गा | वर्गान र्वान I र्वान न्यान । । इ.स. इ.स. इ.स. इ.स. १६००००००

- I সা-1 -1 সা | বসা-1 না -1 না -1 না -1 ধনা -1 ধা -1 I বাঁ ৽ ধ্ভে ভে ৽ দাও বাঁ ৽ ধ্ভে ভে ৽ দাও
- I শধা-া-াধা| শধা-াপা-| I গা-মা-পা-ধা|-না-র্রা-র্রা-রি বা • ধভে ৫৬ • দাও ভা৽৽৽ ৽৽৽
- I # -1 -1 -1 -1 -1 -1 -1 II II

একডাল (1°)

মোরা সভ্যের 'পরে মন আজি করিব সমর্পণ।

জয় জয় সভ্যের জয়।

মোরা বৃঝিব সভ্য, পৃজিব সভ্য, খুঁজিব সভ্যধন।

জয় জয় সভ্যের জয়।

য়দি ত্ঃথে দহিতে হয় তবু মিথ্যাভিস্তা নয়।

য়দি দশু বহিতে হয় তবু মিথ্যাকর্ম নয়।

য়দি দশু সহিতে হয় তবু মিথ্যাক্য নয়।

জয় জয় সভ্য সভ্যের জয়।

মোরা মঙ্গলকাজে প্রাণ আজি করিব সকলে দান।
জয় জয় মঙ্গলময়।
মোরা লভিব পুণ্য, শোভিব পুণ্যে, গাহিব পুণ্যগান।
জয় জয় মঙ্গলময়।
যদি হঃখে দহিতে হয় তবু অশুভচিস্তা নয়।
যদি দৈশু বহিতে হয় তবু অশুভকর্ম নয়।
যদি দশু সহিতে হয় তবু অশুভ বাক্য নয়।
জয় জয় মঙ্গলময়।

সেই অভয় ব্রহ্মনাম আজি মোরা সবে লইলাম—

যিনি সকল ভয়ের ভয়।

মোরা করিব না শোক যা হবার হোক, চলিব ব্রহ্মধাম।

জয় জয় ব্রহ্মের জয়।

যদি হংথে দহিতে হয় তবু নাহি ভয়, নাহি ভয়।
যদি দৈক্ত বহিতে হয় তবু নাহি ভয়, নাহি ভয়।
যদি মৃত্যু নিকট হয় তবু নাহি ভয়, নাহি ভয়।
জয় জয় বন্ধের জয়।

মোরা আনন্দ-মাঝে মন আজি করিব বিসর্জন। জয় জয় আনন্দময়।

দকল দৃশ্তে দকল বিশ্বে আনন্দনিকেতন। জন্ম জন্ম আনন্দময়। আনন্দ চিত্ত-মাঝে আনন্দ সর্বকাজে, আনন্দ সর্বকালে ভূ:থে বিপদজালে,

जानम नर्वलाटक मुजावित्रदर गांदक— क्य क्य जानमभय ।

मा भा II रेमा - । भी | भी भी ना | शा - 1 - 1 - 1 भी भी I মোরা সংতে রপরে ম ৽ ৽ ন আছি I धा धा धा | भा भा - ऋभा | जा - 1 - 1 - 1 जा दा I ति व म म • **द** भ • • • • • • • ক I भा भा भा | - । भा जा | मा - । - | - । मा मा l I **ज**यम ९ (७ द क • • I मानमदाक्षा | जा -1 जा | जा मदशा शा | शा -1 शा I वृक्षि॰॰ व म ९ ७ भृष्डि॰॰ व म ९ I ता शा क्या | शा-क्षशभाक्षा | शा-1-1 | ना ता I थुँ फिन प ००९ ७ ४०० न I का का का | ना ना ना ना ना ना भाषा ৎ তে ব **©** • • য় স I भा-क्षभाशा | भा भा शा | धर्मा - । - । मा मा I

इ •कृ स्थ म हि स्ड ह • • ग्र ख तू

- I শা গা | রা র্গা | দা - | । পা পা I মি ৭ খা চি ন্তা ল ০ ০ য় য দি
- I [#]না ব রিছিল ন ন ন ন ন । ন ধা ধা I দৈন্ন ব হিছে হ ০ ০ য়ু ভ বু
- I পা -1 না | ধা -1 ধনা | পা -1 -1 | -1 পা মগা I মি < ধা ক বুম॰ ন ॰ ॰ যু ঘ দি॰
- I মা -1 ধা | পা পা গা | ফা -1 -1 | -1 মা মা I দণ্ড সহিতে হ ০ ০ য়ত বু
- I গা -1 পা | মা -1 মপা | গা -1 -1 | -1 সারা I মিং ধা বাক্ক৽ ন ৽ ৽ য়ৢজ য়
- I গা গা গা | -1 গা বা | দা -1 -1 | -1 দা দা I জনম ল ৭ তে ব জ ০ ০ ম্মোরা
- I { সা -1 সা | সা না | ধা -1 -1 | -1 পা পা I মঙ্গ ল কাজে প্রা ০ ০ প্আ জি
- I ধা ধা ধা । পা পা হ্লপা । গা -1 -1 | -1 সারা I করিব সকলে ৽ লা ৽ ৽ ন জ য়
- I গাগাগা | -1 গা রা | সা -1 -1 | -1 সা সা} I জ য়ম ঙ্গল ম ০ • য়ুমো রা

- I সান্সরাহা । রা-ারা | রাসরগা গা | গা-া গা I ল ভি•• ব পুণ্ণ শোভি• ব পুণ্ণে
- I বা গা কা | পা-কপনাধা | পা -া -া | -া বা I গাহি ব পু••ৰ্ণ গা•• ন্জ য়
- l **গা গা গা | -1 গা** রা | সা -1 -1 | -1 পা পা I জ র ম ঙ্গ ল ম • • র্য দি
- I পা-দ্মপা গা | পা পা ধা | স্থা -1 -1 | -1 সা সা I তু •ক খে দ হিতে হ • • য়্ত বু
- I সা সা গা | বা -1 বৰ্গা | সা -1 -1 | -1 সা সা I অ ভ ভ চিন্তা ন ০ ০ ফ্ফ দি
- I मना न र्जा | भी भी ना | नक्षा न न । न क्षा क्षा I किन्न व हिल्ड ह • • ग्र. ख्रू
- I পাপানা | ধা ব ধনা | পা 1 1 1 পা মগা I আম শুভ ক বুম॰ ন • ৽ যুয় দি৽
- I মা 1 ধা | পা পা পা | মা -1 1 1 মা মা I দ ৰ্ভ স হিতে হ ॰ ॰ য় ভ বু
- I গা গা পা | মা -1 মপা | গা -1 -1 | -1 সা রা I আহ ও ভ বাক্ক । ন ০ ০ যুজ য়

- I भाभाभा । । भा ता | मा । । । मा । I स्वयम ध्भ न म • • झ्टम हे
- I ধা ধা ধা | পা পা দ্বপা | গা 1 | 1 দা রা I মোরা দ বে ল ∘ই লা ∘ ∘ ম যি নি
- I भा भा भा भा भा ता | जा 1 1 1 जा जा I ज क न ভ स्त्र द्व ७ ० ० स स्माता
- I সান্সরারা | রা রা -1 | রা সরগা গা | -1 গা -1 I করি৽৽ ব না শোক্যা হ৽৽ বা রু হোক্
- I রা গা হল | পা ক্লপনা ধা | পা 1 1 1 না রা I চলিব অ ০০০ কা ধা ০০ মুজ য়
- I भा भा भा | -1 भा ता | मा -1 -1 | -1 भा भा I का ब्रुब • स्काद क • • ग्रुय मि
- I পা-হ্মপাগা | পা পা ধা | ধর্মা -া -া | -া র্মা বি হ • ক্থে দ হি তে হ • ৽ য়্ত বু
- I ৰ্মাৰ্মা বিনা বিনা বিনা বিনা বিভিন্ন হিং ভ ০ ০ মুম দি

- I मैना । वी | मी मी ना | नधा । । । धाधा I क्रिन्न व हिल्ड ह ॰ ॰ ग्रुड द्
- I পা না ধা | । ধা ধনা | পা । ৷ ৷ পা মগা I নাহি ভ য়ুনাহি॰ ভ • যুয় দি৽
- I মা 1 ধা | পা পা গা | মা 1 1 | 1 মা মা I মুৎ তুনিক ট হ ০ ০ য়ুত বু
- I গা পা মা | । মা মপা | গা 1 | 1 সা রা I নাহি ভ যুনাহি ভ ॰ ॰ যু**ভা** য়
- I मा जा-जी | जी जी ना | क्षा 1 1 1 1 ना ना I चान न्ह मा त्यं म ॰ ॰ न्चा चि
- I शांशाशा | भाभा-म्बला | भा । । । माजा I कति व विम ॰ द्वा च ॰ ॰ न्का
- I भाभाभा | भा | दा | भा | | | | | | | | | | प्रक्रिया न न क्रम • • इ
- I मान्त्रदादा | दा -1 दा | दा मदशा शा | शा -1 शा I म क॰॰ न पृण्या म क॰॰ न दिण्या

- I द्वा शा ऋता | शा ना शा | शा 1 | 1 ना दा I जा न न म नि दक ७ • न इस प्र
- I গা গা | রগা বা | সা 1 1 1 পা 1 I জন্ম জনা ন ন্দ্ম • • যুজা •
- I পা হ্বপা গা | পা । ধা | ধ্র্মা । র্মা । র্মা । মা -
- I मा । भी | र्जा । र्जा | मा । मा ।
- I পা -1 না | ধা ধা না | পা -1 পা | -1 পা -মপা I ছ কু ধে বি প দে জা • লে • আ। ••
- I मान शा | भान गा | मान मान ना I नन्द मंद्र ला॰ कि॰ ०००
- I গা ৷ পা | মা মা মপা | গা ৷ গা | ৷ লা বা I মু ৎ তু বি র হ॰ শো • কে • জ য়
- I भा भा भा | बका | दा | मा | | मा मा II II क्षत्र क्या नन्म म ॰ ॰ ब्र्"मा दा"

२।२ माळा-इन्म (1º)

স্বাবে করি আহ্বান—
এসো উৎস্কৃতিন্ত, এসো আনন্দিত প্রাণ ।
হৃদয় দেহো পাতি, হেথাকার দিবা রাতি
করুক নবজীবনদান ।
আকাশে আকাশে বনে বনে তোমাদের মনে মনে
বিছায়ে বিছায়ে দিবে গান ।
স্থন্দরের পাদপীঠতলে যেথানে কল্যাণদীপ জন্দে

**** [ना सा] • र्र II मा मुला | भा - 1 I मा मा | उठा - दा I मा - 1 | - 1 - 1 I স্বাণ্রে করি আ ৽ হবা ৽ ৽ • I - मा-भा | - भा - मा I - छा - दा | - मा - मा | मा मभा | भा - । I • • • নু স্বা• রে • I मा मा | छत -ता I मा -1 -1 -1 I मा मना | ना -1 I क विषा ॰ स्वा ॰ ॰ न এ দো॰ উ ९ I পা পা | পা -1 [পা -1 | -1 -1 I পা ধা | পা² -541 I সুক চিং ত ৽ ৽ এ সোজা • न ॰ न कि छ छ। ॰ ॰ ॰ ॰ I -91° -51 | -91 -1 [] I

- II { পা পা | মজ্জামা I পা -না | না -া I র্গা -া | -া -া I হাদ য় ০ দে হো ০ পা ০ ডি ০ ০ ০
- I সাসরা | সাসা I ণ সাসণা | ণাণধা I শধা-া | -পা-া I করু কন ব জী ব ন দা ে ০
- I -भा-धा | -भा भा l -भा भा | -भा । I[] I
- II সাপা | পা -া I মাজ্জরা | সা-না I সাসপা | মা-জ্জরা I আমকা শে॰ আমকা৽ শে৽ ব নে ব ৽৽
- I সা 1 | 1 1 I মামপা | পা পা I পা পা | পা ধা I নে • • • তোমা• দের মনে মনে
- I ণাণৰ্সা | ৰ্সা ণা I ণাধা | পা া I পধা ⁴পা | মগা ^রগা I বিছা॰ য়ে ॰ বিছা য়ে ॰ দি॰ বে গা॰ ॰
- I -মা | | | | | | | | | মা I মা ভৱা | | মা I মা | মা I মা ভৱা | | মা I মা | মা I মা
- I পাপনা | নানা 1 না-সা | সা -1 I সা স্কো | কো-1 I পাদ • পীঠ ড • লে • যেখা• নে •

- I ⁴রা | শা শা I শরা না | না না I শা 1 | -1 1 } I ক শ্লাণ দী • প জ্লে • •
- I ৰ্বরা-পা | ৰ্বরা-পা I ৰ্বা-ণা | পা-ধা I খধা-া | -পা-া I সে • থা • পা • বে • ছা • • •
- I -બા-શા | -લાર-મા I -લાર-મા | -લા-၊ II[] II,

১ এই গানের ভিন্ন ছন্দ ও হ্বরাস্তবের স্বর্রলিপি স্বর্রিতান পঞ্চপঞ্চাশন্তম খণ্ডে মৃদ্রিত স্থাছে।

গীচ ২া৮

কাহারবা (12)

অগ্নিশিথা, এসো এসো, আনো আনো আলো।
হংথে হথে ঘরে ঘরে গৃহদীপ জালো ॥
আনো শক্তি, আনো দীপ্তি, আনো শান্তি, আনো হৃপ্তি,
আনো স্থিপ ভালোবাসা, আনো নিত্য ভালো ॥
এসো পুণাপথ বেয়ে এসো হে কল্যাণী—
ভত হৃপ্তি, ভত জাগরণ দেহো আনি।
হংথরাতে মাত্বেশে জেগে থাকো নির্নিমেষে,
আনন্দ-উৎসবে তব ভত্র হাসি ঢালো ॥

১ ॰ । II {পা-সাসা⁴না | ধপা-। পাকা I গা-মা গা-|-।-। (গারা I অংগ নিশি খা॰ ৽ এ সো এ ॰ সো ॰ ৽ ॰ আনো

I বন্-বাসা-া | ন্-সারা-া I সা-বা-গা-কা | -পা-গা-কা -পা) ∤ I -া-া I
আমা • নো • আ\ • লো • আ\ • • • • • লো •

I গা-পাপা-1 পা-কাপা-1 I -1 -1 পাপা | পা-কাপা-1 I ছ ক্থে - হ ০ থে ০ ০ • ঘরে ঘ ০ রে ০

I-1-1 পাপা | পা-কাধা-1 I সারাগা-1 | সা-রাগা-1 I
• • জালো জা • লো • গৃহদী প্জর • লো •

I সা-বা-গা-কা | -পা-গাফা-পা II আহা • • • • লো •

- পাপা II পা-ক্লাপা-া | -া-াপাপা I পা-ক্লাধা-া | -া-াধাধা I আনো শ ক্তি ৽ ৽ আনো দীপ্তি ৽ ৽ আনো
- I সা-গাৰ্গা-রা | রা-সাসা-না I না-ধাধা-া | -পা-াপাপা I স্বিধ্ধ • ভা •লো • বা • সা • • জানো
- I পা-নানা-ধা | ধা াপা া I সা-রা-গা-কা | -পা-গাক্ষা পা II নি ত্ত ৽ ভা ৽ লো ৽ ভা ৽ ৽ ৽ ৽ লো ৽
- গাহ্মা II পা | পা | পা | পা | বা শিহ্মা গাহ্মা I এসো পুণ্ণ ০ প ০ ব ০ বে০ ০ য়ে ০ ০ এসো
- I া- াপাধা | না ানা ধা I ধনা া - ধা | পা া া া I ে শুভ জা ০ গ ০ ব ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০
- I সা-ারা-া | গা-া ফা-া I করা-াগা-া | ফা-াপা-া I দে ∘ হো ∘ আবা ∘ নি ∘ হে ∘ ক ল্লা ∘ণী ∘
- I পা-1 পাপগা | পা-1 -1 -1 I পা-1 পাপকা | ধা-1 -1 -1 I তুক্ধরা তে ০০০ মাৎ ছ বে০ শে ০০০

- I ধাধাধা-পা | পনা-া-া-া I না-ানানধা | ধৰ্মা-া-া-া I জেগেথা ∘ কো∘ ∘ ∘ নির নিমে• বে• ∘ • •
- I সাসা-গারা | সা ানা-ধা I ধনা-া-নধা-া | -পা-াপাপা I আনন্দ উৎস ৽ বে৽ ৽ ৽ ৽ তব
- I সা-রা-গা-কা | -পা-গাক্ষা-পা II II ঢা•••••• লো

অধিকতর স্থনির্দিষ্ট ও অধুনা বিশ্বভারতী-অনুস্ত আৰু বিমাত্তিক স্বর্জিপি -পদ্ধতির সংক্ষিপ্ত বাংগা

- ২ কোমল র— ঝ, কোমল গ— জ্ঞ, কড়ি ম— হ্ন, কোমল ধ— দ এবং কোমল ন— প।
- ত ঋ' = অতিকোমল ঋষভ। অতিকোমল ঋষভের স্থান স ও ঋ স্বন্ধরের
 মধ্যবর্তী। জ্ঞ', দ', ন' = যথাক্রমে অতিকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিষাদ।
 ঋ' = অণুকোমল ঋষভ। অণুকোমল ঋষভের স্থান ঋ ও র স্বর্ধণের
 মধ্যবর্তী। জ্ঞ', দ', ন' = যথাক্রমে অণুকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিষাদ।
- ৪ একমাত্রা— । অর্ধনাত্রা— । দিকিমাত্রা— । ছইটি অর্ধনাত্রা, যথা— দরা। চারিটি দিকিমাত্রা, যথা— দরগনা। ছইটি দিকিমাত্রা, যথা— দরঃ। একটি দিকিমাত্রা, যথা— দেও। একটি অর্ধনাত্রা ও তুইটি দিকিমাত্রা মিলিয়া একমাত্রা, যথা— দঃ গরঃ। একটি দেড়মাত্রা ও একটি অর্ধনাত্রা মিলিয়া তুই মাত্রা, যথা— রাঃ গঃ।
- কোনো আসল হারের পূর্বে যদি কোনো নিমেষকালস্থায়ী আলহাঙ্গিক হার একটু ছুইয়া যায় মাত্র, তাহা হইলে সেই স্বরটি ক্ষুদ্র অক্ষরে আসল হারের বাম পার্বে লিখিত হয়, য়য়া— মরা গরা। আসল হারের পরে কখনো অল্ল হারের ঈরৎ রেশ লাগে; তথন ঐ স্বর ক্ষুদ্র অক্ষরে দক্ষিণ পার্বে লিখিত হয়, য়য়া— রাম।
- ৬ বিরামের চিহ্ন ও মাত্রাসমূহের চিহ্ন একই; হাইছেন-বর্দ্ধিত হইলে এবং স্বরাক্ষরের গালে দংলগ্ন না থাকিলেই সেই মাত্রা, বিরামের মাত্রা বলিয়। বুরিতে হুইবে। স্থারের ক্ষণিক স্তরতাকে বিরাম বলে।
- তাল-বিভাগের চিহ্ন এক-একটি দাঁড়ি। সমে ও সম্ হইতে তালের এক ফেরা হইয়া গেলে দাঁড়ির স্থলে I এরপ একটি 'দও' চিহ্ন বসে। প্রায় প্রভ্যেক কলির আরেন্ডে ছইটি দও বসে। যেথানে গান একেবারে শেষ হয় সেথানে চারিটি দও বসে।
- দ মাত্রাসমষ্টি ভিন্ন ভিন্ন গুচ্ছে বিভক্ত, প্রত্যেক গুচ্ছের প্রথম মাত্রার শিরোদেশে ১, ২, ৩, ৪, ০, ইত্যাদি সংখ্যা বিভিন্ন তালান্ধ নির্দেশ করে। শৃত্য-চিহ্নে (০) ফাঁক ও যে সংখ্যায় রেফ-চিহ্ন থাকে (১) তাহাতেই সম বঝিতে হইবে।

- শাস্থায়ীতে প্রত্যাবর্তনের চিহ্নস্বরূপ ছইটি করিয়া দণ্ড বদে। কোনো কলির শেষে এই II যুগল দণ্ড এবং সবশেষে II II ছই জোড়া দণ্ড দেখিলেই আস্থায়ীর প্রথমে যেথানে যুগল দণ্ড আছে সেইথান হইতে আবার আরম্ভ করিবে।
- ১০ আস্থায়ীর আরম্ভে, II এই যুগল দণ্ডের বাহিরে গানের অংশ গান ধরিবার সময় একবার মাত্র গাহিবে। কারণ প্রত্যেক কলির শেষে এই অংশটুকু "" এরূপ উদ্ধৃতিচিচ্ছের মধ্যে পুনঃ পুনঃ লিখিত হইয়া থাকে।
- ১১ অবসানের চিহ্ন, শিরোদেশে যুগল দাঁড়ি, যথা— সা। হয় এইথানে একেবারে থামিবে; নয় এইথানে থামিয়া গানের অন্ত কলি ধরিবে।
- ১২ পুনরাবৃত্তির চিহ্ন { } এই গুদ্দবন্ধনী; এবং পুনরাবৃত্তিকালে কতকগুলি স্বর বাদ দিয়া যাইবার চিহ্ন () এই বক্ত বন্ধনী, যথা— { সা রা (গা মা) }। মা পা।
- ১০ পুনরাবৃত্তিকালে কোনো স্থরের পরিবর্তন হইলে, শিরোদেশে []এই সরল রো গা]
 বন্ধনীচিছের মধ্যে পরিবর্তিত স্বরগুলি স্থাশিত হয়; যথা— {সা রা গা}।
 কলির শেষে যুগল দণ্ডের মধ্যে ও সব-শেষে তুই প্রস্থ যুগল দণ্ডের মধ্যে
 [] এই সরল বন্ধনী থাকিলে, যথা— I [] I, II [] II, আস্থায়ীতে
 ফিরিয়া পরিবর্তিত স্বর গাহিতে হয়।
- ১৪ কোনো এক স্বর যথন স্থার-এক স্থরে বিশেষরূপে গড়াইয়া যায়, তথন স্বরের নীচে

 এইরূপ মীড়-চিহ্ন থাকে, যথা— গা -পা।
- ১৫ যথন স্থরের নীচে গানের অক্ষর নাথাকে, তথন সেই স্বর বা স্বরগুলির বাম পার্ষে হাইফেন (-) বসে এবং গানের পঙ্ক্তিতে শৃক্ত (৽) দেওয়া হয়; যথা— সা া া া া । অথবা— সা বা - গা - মা । একই স্বর পৃথক মা ৽ ৽ ৽ মা ৽ ৽ ৽

বোঁকে উচ্চারিত হইলে সেই দ্বরের বাম পার্ছেও হাইফেন বসে; যথা— সা -সা -রা -রা। সা -সা -রা -রা।

মা ৽ ৽ ৽ গা • ৽ ন্

১৬ নীচে গানের অক্ষর স্বরাস্ত না হইলে উপরে স্বরের বাম পার্থে হাইফেন (-) বসে। যথা— সা -রা -গা -মা । সা -া -া -া । গা ॰ ॰ ন গা ॰ ॰ ন উচ্চারণ। স্বরলিপির ভিতরে প্রায় সব কথার বানান যথাসাধ্য উচ্চারণঅমুযায়ী বিশ্লেষ করিয়া দেখাইতে যত্ন করা হইয়াছে। —েএ এবং —েজ্ঞা,
যেরপ বেদনা ও বেলা শব্দের প্রথম ব্যঞ্জনাশ্রিত একারের মুদ্রণে ইঙ্গিত করা
হইয়াছে। তাহা ছাড়া 'অবেলায়' বিশ্লেষিত হইলে ছাপা হয়— অ বে লা য়।
'মনে'— ম নে।

লয়-নির্দেশ। মাত্রামান যন্ত্রের সাহায্যে মাত্রার পরিমাণ যথাযথকপে নির্ধারিত হইতে পারে। কিন্তু মাত্রামান যন্ত্রের দ্বারা মাত্রার পরিমাণ সকল সময়ে নির্ণয় করিরার স্থবিধা হয় না। তা ছাড়া, যন্ত্রটি সংগ্রহ করাও সকলের সাধ্যায়ন্ত না হইতে পারে। এই জন্ম ইহার একটি সহজ্ব নিয়ম··· দেওয়া যাইতেছে। এই নিয়্মে লয়ের আপেক্ষিক পরিমাণ কভকটা স্থির হইতে পারে। একটু এদিক গুলিক হইলে বিশেষ কিছু ক্ষতি হয় না।

এক, এই, তিন, ইত্যাদি সংখ্যাগুলি পর পর খুব তাড়াতাড়ি এক নিশ্বাসের মধ্যে স্পষ্টরূপে উচ্চারণ করিলে, এক সেকেণ্ডের মধ্যে ৬ সংখ্যা পর্যন্ত অধিকাংশ লোকে উচ্চারণ করিতে পারে। তাহার অধিক পারে না; ইহা পরীক্ষা করিয়া জ্বানা গিয়াছে। এই গতিতে ৬ সংখ্যা অন্তর করতালি দিলে গানের পক্ষে বিলম্ব গতি হইতেছে বলিয়া উপলব্ধি হয়। ও সংখ্যা অন্তর করতালি দিলে মধ্য গতি অথাৎ সহজ লয় হইতেছে বলিয়া উপলব্ধি হয়। এইরূপ গণনা অনুসারে লয়ের যে আদর্শক্রম স্থির হইয়াছে, তাহার তালিকা নিমে দেওয়া যাইতেছে:

গতিক্ৰম	ক্রত উচ্চারণেব	মাত্রামান যন্ত্রের	লয়†ক দকেত
	সংখ্যা	অঙ্ক	
অতি বিলম্বিত	b	6 0	10
বিগ ন্বিত	৬ (এক সে	10	
ঈষৎ বিলম্বিত	¢	b •	10
মধ্য লয় বা ঢিমা	8	> • •	18
ঈষৎ দ্ৰুত	9	<i>५७</i> २	10
ফ্রত	ર	260	12
শতি জভ	>	200	1,

মাত্রান্ডাগ তালাম ও এক-একটি ঠেকা -সহ বর্তমান গ্রন্থের অস্কর্যুক্ত তাল

शर माळा-इन । १ माळा

I 1 1 | 1 1 I ধা ধন্না তিন্ ঝম্পক। ধমাতা

দাদরা। ৬ মাত্রা

২।৪ মাত্রা-ছন্দ। ৬ মাত্রা

11 1 1 1 1 1 1 1

ধি না ধা ধি ধি না তেওৱা৷ মাজা

হ ৩ I 1 1 1 1 1 1 1 1 1 I ধাধি না ধি না ধি না কাহারবা≀৮ মাত্রা

১´ •
I 1 1 1 1 1 1 1 1 1 I

ধা ধি না ডি না ধি ধা ধি

একতাল। ১২ মাত্রা

১ ২ • ৩
I 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 I
ধাধি না নাতি না কংতেটেধিন্তেটে

